11th ANNIVERSARY

त्रिपुरी टाइम्स

www.tripuritimes.com

वर्ष 11 अंक 55

जबलपुर, मंगलवार 24 मार्च 2026

पृष्ठ संख्या : 8 मूल्य : 2 रुपए

पश्चिम एशिया के कारण उपजे संकट का मिलकर करना है मुकाबला : मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पश्चिम एशिया संकट को गम्भीर चिंता का विषय बताते हुए सोमवार को कहा कि कच्चे तेल एवं गैस की जरुरतों का बड़ा हिस्सा इसी क्षेत्र से पूरा होता है इसलिए भारत पर इसका असर स्वभाविक है लेकिन इस चुनौती का मिलकर और एकजुटता के साथ मुक़ाबला करने की जरूरत है। श्री मोदी ने लोकसभा में पश्चिम एशिया की स्थिति पर वक्तव्य देते हुए कहा कि इस संकट के कारण भारत की चिंताएं स्वाभाविक है लेकिन भारत को एकजुट रहकर चुनौतियों का मुकाबला करना आता है। कोरोना संकट के समय की इसी तरह की चुनौती का हमने एकजुट रहकर सामना किया था और अब इस चुनौती का मुकाबला भी उसी तरह एकजुटता से करना होगा। पश्चिमी एशिया के देशों में रहने वाले भारतीयों की सुरक्षा का आश्वासन देते हुए उन्होंने कहा , ' इन देशों में हमारे मिशन भारतीयों की मदद में जुटे हैं। प्रभावित देशों में हमारे मिशन लगातार भारतीयों की मदद में लगे हुए हैं। चाहे वहां काम करने वाले भारतीय हों या वहां गए पर्यटक, सभी को हर संभव सहायता प्रदान की जा रही है। भारतीय मिशन नियमित रूप से इसको लेकर सलाह जारी कर रहे हैं। भारत और अन्य प्रभावित देशों में 24/7 सहायता कक्ष और आपातकालीन हेल्पलाइन स्थापित की गई हैं। इनके माध्यम से सभी प्रभावित लोगों को नवीनतम जानकारी दी जा रही है।' उन्होंने कहा 'संकट के समय में भारत और विदेश में भारतीयों की सुरक्षा सर्वोपरि है। इस युद्ध की शुरुआत से ही प्रभावित देशों में रहने वाले प्रत्येक भारतीय को सहायता प्रदान की गई है। मैंने पश्चिम एशियाई देशों के अधिकांश राष्ट्राध्यक्षों से दो बार फोन पर बात की है। सभी ने भारतीयों की सुरक्षा का आश्वासन दिया है। यह दुखद स्थिति है कि संघर्ष के दौरान कुछ लोगों ने अपनी जान गंवाई है और कुछ घायल हुए हैं।' प्रधानमंत्री ने युद्धग्रस्त और संघर्ष से प्रभावित देशों के साथ भारत के व्यापक व्यापारिक संबंध का जिक्र करते हुए कहा, ' जिस क्षेत्र में संघर्ष चल रहा है, वह विश्व के अन्य देशों के साथ हमारे व्यापार का एक महत्वपूर्ण मार्ग भी है। यह क्षेत्र विशेष रूप से कच्चे तेल और गैस की जरुरतों के लिए हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इसके अलावा यह क्षेत्र हमारे लिए इस कारण से भी महत्वपूर्ण है कि खाड़ी देशों में लगभग एक करोड़ भारतीय काम करते हैं। वहां वाणिज्यिक जहाज चलते हैं। भारतीय चालक दल के सदस्यों की संख्या भी बहुत अधिक है। इन विभिन्न कारणों से, भारत की चिंताएं स्वाभाविक रूप से अधिक हैं। इन सब स्थितियों को देखते हुए आवश्यक है कि संसद से इस संकट को लेकर हमारी एक आवाज और आम सहमति दुनिया तक पहुंचे।' श्री मोदी ने कहा कि उनकी सरकार पश्चिम एशिया की चिंताजनक स्थिति को लेकर लगातार संसद को अवगत करा रही है।

उनका कहना था कि पिछले दो-तीन हफ्तों में विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर और केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने सदन को स्थिति का विस्तृत विवरण दिया है। यह संघर्ष तीन सप्ताह से अधिक समय से चल रहा है। इसका वैश्विक अर्थव्यवस्था और लोगों के जीवन पर गंभीर प्रभाव पड़ रहा है और इसीलिए दुनिया इस संघर्ष के शीघ्र समाधान के लिए सभी पक्षों से आग्रह कर रही है। संकट की स्थिति में भारतीय कूटनीति पर उन्होंने कहा 'वर्तमान वैश्विक माहौल में भारत की भूमिका स्पष्ट है। शुरुआत से ही हमने इस संघर्ष पर गहरी चिंता व्यक्त की है। मैंने पश्चिम एशिया के सभी संबंधित नेताओं से व्यक्तिगत रूप से बात की है। मैंने सभी से तनाव कम करने और इस संघर्ष को समाप्त करने का आग्रह किया है। भारत ने नागरिकों, ऊर्जा और परिवहन अवसंरचना पर हमलों की निंदा की है। वाणिज्यिक जहाजों पर हमले और होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों को अवरुद्ध करना अस्वीकार्य है। भारत इस युद्ध जैसे माहौल में भी भारतीय जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए कूटनीति के माध्यम से निरंतर प्रयास कर रहा है। भारत ने हमेशा मानवता के कल्याण और शांति का समर्थन किया है। मैं दोहराता हूं कि इस समस्या का एकमात्र समाधान संवाद और कूटनीति है। हमारे सभी प्रयास तनाव कम करने और इस संघर्ष को समाप्त करने की दिशा में हैं। इस युद्ध में किसी के भी जीवन को खतरे में डालना मानवता के हित में नहीं है इसलिए हमारा प्रयास सभी पक्षों को जल्द से जल्द शांतिपूर्ण समाधान तक पहुंचने के लिए प्रोत्साहित करना है। जब ऐसे संकट उत्पन्न होते हैं, तो कुछ तत्व उनका फायदा उठाने की कोशिश करते हैं, इसलिए, सभी कानून और व्यवस्था एजेंसियों को सतर्क कर दिया गया है। तटीय सुरक्षा हो, सीमा सुरक्षा हो, साइबर सुरक्षा हो या रणनीतिक प्रतिष्ठान हों, सबकी सुरक्षा को और मजबूत किया जा रहा है।' प्रधानमंत्री ने वैकल्पिक ऊर्जा बढाने के लिए भारत के प्रयासों की चर्चा करते हुए कहा कि पिछले 11 वर्षों में, देश ने अपनी सौर ऊर्जा क्षमता को लगभग 03 गीगावाट से बढ़ाकर 140 गीगावाट कर दिया है। पिछले एक वर्ष में, देश भर में लगभग 40 लाख रूफटॉप सोलर पैनल लगाए गए हैं। प्रधानमंत्री सूर्यगढ़ मुफ्त बिजली योजना ने भी इसमें महत्वपूर्ण योगदान दिया है। गोवर्धन योजना के तहत, देश में 200 संपीड़ित बायोगैस संयंत्र भी चालू हो गए हैं। ये सभी प्रयास देश के लिए बहुत उपयोगी साबित हो रहे हैं। सरकार ने शांति अधिनियम के माध्यम से देश में परमाणु ऊर्जा उत्पादन को प्रोत्साहित करके भविष्य की तैयारियों को और मजबूत किया है। हाल ही में, लघु जलविद्युत विकास योजना को भी मंजूरी दी गई है, जिससे अगले पांच वर्षों में 1500 मेगावाट की नई जलविद्युत क्षमता जुड़ेगी। श्री मोदी ने एथेनॉल का विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि उनकी सरकार ने इथेनॉल की मात्रा 20 प्रतिशत कर दी है जिसका लाभ देश को बड़े स्तर पर मिल रहा है। उन्होंने कहा कि पश्चिमी एशिया संकट के बावजूद सरकार ने पेट्रोल, डीजल और गैस की आपूर्ति पर गंभीर असर न पड़े, इसके लिए प्रयास किए हैं। देश अपनी एलपीजी की 60 प्रतिशत आवश्यकता आयात करता है। आपूर्ति में अनिश्चितता के कारण सरकार ने घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं को प्राथमिकता दी है। इसके साथ ही एलपीजी का घरेलू उत्पादन भी बढ़ाया जा रहा है। देश भर में पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति सुचारू रूप से जारी रहे, इसके लिए भी निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

उत्तर और पश्चिम भारत में बारिश और ओलावृष्टि से लौटी ठंड, किसानों की बढ़ी चिंता

नई दिल्ली, एजेंसी। मार्च का महीना, जो आमतौर पर हल्की गर्मी और बसंत की आहट लेकर आता है, इस बार मानसून जैसा व्यवहार कर रहा है। उत्तर और पश्चिम भारत के कई हिस्सों में अचानक हुई तेज बारिश और ओलावृष्टि ने न केवल मौसम का मिजाज बदल दिया है, बल्कि कड़ाके की ठंड की भी वापसी करा दी है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, एक शक्तिशाली पश्चिमी विक्षोभ और चक्रवातीय परिसंचरण के सक्रिय होने के कारण मौसम में यह नाटकीय बदलाव आया है। देश की राजधानी दिल्ली और इसके आसपास के इलाकों में बादलों की आवाजाही जारी है। ठंडी हवाओं के चलने से तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई है, जिससे लोगों को समय से पहले शुरू हुई गर्मी से बड़ी राहत मिली है। वहीं, उत्तर प्रदेश के पश्चिमी हिस्सों जैसे आगरा और मेरठ में हल्की बारिश का अनुमान है। हालांकि, पूर्वांचल के जिलों में फिलहाल मौसम के शांत रहने की उम्मीद है, लेकिन विभाग ने सतर्क रहने की सलाह दी है। मौसम विभाग ने चेतावनी जारी की है कि अगले कुछ दिनों तक यह सिस्टम सक्रिय रहेगा, जिससे देश के लगभग 15 राज्यों में बारिश की आशंका बनी हुई है। इस बेमौसम बरसात और ओलावृष्टि ने सबसे ज्यादा किसानों की कमर तोड़ दी है। खेतों में खड़ी फसलें बिछ गई हैं, जिससे भारी नुकसान का अंदेशा है। विभाग

के मुताबिक, उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड जैसे राज्यों में 50 से 60 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं, जो वज्रपात (बिजली गिरने) के खतरे को भी बढ़ा रही हैं। मैदानी इलाकों में बारिश है तो पहाड़ी राज्यों उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश—में स्थिति गंभीर बनी हुई है। बारिश के कारण कई जगहों पर भूस्खलन हुआ है, जिससे यातायात पूरी तरह ठप हो गया है। हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले के रोपड़ू गांव में रविवार को भीषण भूस्खलन के बाद स्थिति संवेदनशील हो गई है। यहाँ कोटली उपमंडल में पहाड़ का मलबा गिरने से एक गौशाला क्षतिग्रस्त हो गई और नौ घरों को तुरंत खाली करने के निर्देश दिए गए हैं।

न्यायपालिका पर भड़के पूर्व पीएम, पत्नी बुशरा बीबी के साथ अमानवीय व्यवहार का लगाया आरोप

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान खान के स्वास्थ्य को लेकर जारी चिंताओं के बीच एक बड़ी खबर सामने आई है। लंबे समय से लंदन में रह रहे इमरान खान के बेटे कासिम खान ने आखिरकार रावलपिंडी की अदियाला जेल में अपने पिता से मुलाकात की है। इस मुलाकात के बाद कासिम खान ने सोशल मीडिया के जरिए अपने पिता का एक तीखा संदेश सार्वजनिक किया है, जिसमें इमरान खान ने पाकिस्तान की न्यायपालिका और सरकार पर गंभीर प्रहार किए हैं। कासिम द्वारा साझा किए गए संदेश में इमरान खान ने न्यायपालिका के प्रति अपनी गहरी नाराजगी व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि देश के जजों को अपनी भूमिका पर शर्म आनी चाहिए। खान ने आरोप लगाया कि न्यायपालिका अपनी आत्मा बेच चुकी है और उसे देश की एकता या अखंडता की कोई परवाह नहीं है। पूर्व प्रधानमंत्री ने भावुक होते हुए कहा कि जब सत्तासीन लोग उन्हें मानसिक और शारीरिक रूप से नहीं

तोड़ पाए, तो उन्होंने उनकी पत्नी बुशरा बीबी को निशाना बनाना शुरू कर दिया। उन्होंने बुशरा बीबी के साथ जेल में हो रहे व्यवहार को अमानवीय और इस्लाम के खिलाफ बताते हुए कहा कि यह सब सिर्फ उन्हें ब्लैकमेल करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। खान ने यह भी खुलासा किया कि बेटे के साथ मात्र 30 मिनट की मुलाकात करने के बदले उन्हें 24 घंटे के कठिन आइसोलेशन (एकांत कारावास) की सजा भुगतनी पड़ती है। बता दें कि इमरान खान के दोनों बेटे, सुलेमान और कासिम, काफी समय से अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपने पिता के मानवाधिकारों के हनन का मुद्दा उठा रहे थे। उन्होंने दावा किया था कि जेल में उचित इलाज न मिलने के कारण इमरान खान की दाहिनी आंख की रोशनी बेहद कम हो गई है। पहले पाकिस्तान सरकार पर वीजा न देने का आरोप लगाने के बाद, अंतत: कासिम खान को पाकिस्तान आने की अनुमति मिली। 72 वर्षीय इमरान खान अगस्त 2023 से जेल में बंद हैं और वर्तमान में अल-कादिर ट्रस्ट भ्रष्टाचार मामले में सजा काट रहे हैं। हाल ही में खान के वकील लतीफ खोसा ने इस्लामाबाद हाई कोर्ट में याचिका दायर कर उन्हें आंखों के विशेषज्ञ उपचार के लिए शीफा अंतरराष्ट्रीय अस्पताल स्थानांतरित करने की मांग की थी। हालांकि, सरकार का दावा है कि चिकित्सा उपचार के बाद खान की दृष्टि में सुधार हुआ है। पिता और पुत्र की इस मुलाकात ने पाकिस्तान की राजनीति में एक बार फिर गर्माहट पैदा कर दी है, जहाँ एक तरफ मानवाधिकारों का सवाल खड़ा है, वहीं दूसरी तरफ न्यायपालिका और सैन्य प्रतिष्ठान के बीच टकराव गहराता दिख रहा है।

लगातार नौवीं बार पहले स्थान पर रहा है फिनलैंड

लंदन, एजेंसी। वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट में उत्तरी यूरोप का छोटा सा देश फिनलैंड लगातार नौवीं बार पहले स्थान पर रहा है। संयुक्त राष्ट्र संघ की वर्ष 2026 की इस रिपोर्ट में यह उपलब्धि इस बात का संकेत है कि यहां के लोग न सिर्फ आर्थिक रूप से सुरक्षित हैं, बल्कि जीवन के हर पहलू में संतुष्टि और संतुलन महसूस करते हैं। फिनलैंड की खुशहाली के पीछे कई मजबूत कारण हैं, जिनमें सबसे अहम है सामाजिक सुरक्षा और पारदर्शी व्यवस्था। यहां हर नागरिक को आर्थिक सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं और बेरोजगारी के समय सहायता जैसी सुविधाएं मिलती हैं। लोगों को यह चिंता नहीं सताती कि नौकरी जाने या उम्र बढ़ने पर उनका जीवन कैसे चलेगा। सरकार नागरिकों की बुनियादी जरूरतों की जिम्मेदारी उठाती है, जिससे जीवन में स्थिरता बनी रहती है। देश में भ्रष्टाचार लगभग न के बराबर है और प्रशासन को दुनिया के सबसे पारदर्शी तंत्रों में गिना जाता है। कानून का सख्ती से पालन होता है और पुलिस व्यवस्था पर लोगों का भरोसा मजबूत है। अपराध दर भी बेहद कम है, जिससे नागरिक सुरक्षित महसूस करते हैं। यही कारण है कि यहां का सामाजिक माहौल शांत और संतुलित बना रहता है। फिनलैंड की शिक्षा व्यवस्था भी इसकी खुशहाली का बड़ा आधार है। यहां की शिक्षा प्रणाली को दुनिया में सबसे बेहतर माना जाता है, जहां बच्चों पर अनावश्यक दबाव नहीं डाला जाता, बल्कि उनके समग्र विकास पर ध्यान दिया जाता है। उच्च शिक्षा का स्तर भी बेहद मजबूत है, जिससे देश में कुशल और प्रशिक्षित मानव संसाधन तैयार होते हैं। प्राकृतिक वातावरण भी इस देश की खास पहचान है। यहां शुद्ध हवा, साफ पानी, घने जंगल और हजारों झीलें मौजूद हैं, जिसके कारण इसे 'झीलों का देश' भी कहा जाता है। कम जनसंख्या घनत्व और खुला वातावरण लोगों को मानसिक शांति प्रदान करता है। यहां के लोग प्रकृति के करीब रहकर जीवन का आनंद लेते हैं, जिससे उनके जीवन में सकारात्मकता बनी रहती है। फिनलैंड में सामाजिक समानता और व्यक्तिगत स्वतंत्रता को भी विशेष महत्व दिया जाता है। यहां अभिव्यक्ति की पूरी आजादी है और मानवाधिकारों की रक्षा सुनिश्चित की जाती है। महिलाओं को समान अवसर मिलते हैं और राजनीति में उनकी भागीदारी भी उल्लेखनीय है। इसके अलावा, यहां के लोग काम और निजी जीवन के बीच संतुलन बनाए रखने में विश्वास करते हैं, जिससे तनाव कम रहता है। आर्थिक दृष्टि से भी यह देश मजबूत है। बैंकिंग प्रणाली विश्वस्तरीय है और व्यापार के लिए अनुकूल माहौल मौजूद है।

दुनिया के एनर्जी प्रमुख ने चेताते हुए कहा ऐसे तो पूरी दुनिया पर आएगा ऊर्जा का संकट

सिडनी, एजेंसी। अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) ने गंभीर समस्याओं को लेकर आगाह किया है। आईईए के प्रमुख फातिह बिरोल ने सोमवार को कहा है कि युद्ध से पैदा हुए ऊर्जा संकट से वैश्विक अर्थव्यवस्था बहुत बड़े खतरे में है और कोई भी देश इसके प्रभावों से अछूता नहीं रहेगा।ऑस्ट्रेलिया की राजधानी में नेशनल प्रेस क्लब में बोलते हुए, आईईए चीफ ने कहा, मौजूदा हालात को देखते हुए यह संकट अब पूर्व में 2 बार पैदा हुए तेल संकटों का मिला-जुला रूप बन गया है।बिरोल ने आगे कहा, आज वैश्विक अर्थव्यवस्था एक बहुत-बहुत बड़े खतरे का सामना कर रही है और मुझे पूरी उम्मीद है कि इस मुद्दे का समाधान जल्द से जल्द हो जाएगा। उन्होंने कहा, अगर यह संकट इसी दिशा में आगे बढ़ता रहा, तो कोई भी देश इसके प्रभावों से बच नहीं पाएगा। इसलिए, अब वैश्विक स्तर पर प्रयासों की जरूरत है। बता दें हॉर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही लगभग ठप है। इससे पेट्रोलियम

बाजार इस कदर प्रभावित हुआ है कि कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर चली गई हैं। वहीं डीजल, जेट ईंधन और एलपीजी जैसे रिफाइंड उत्पादों की कीमतों में भारी वृद्धि हुई है।ईरान और अमेरिका-इजरायल युद्ध शुरू हुए अब लगभग 3 सप्ताह का समय बीते चुका है लेकिन इस जंग के खत्म होने के कोई आसार नजर नहीं आ रहे हैं। इस बीच दुनिया का सबसे प्रमुख जलमार्ग स्ट्रेट ऑफ होर्मुज प्रभावी रूप से बंद है, जिससे भारत सहित पूरी दुनिया के लिए ईंधन आपूर्ति से जुड़ी चिंताएं बढ़ गई है। इस युद्ध ने वैश्विक तेल बाजार के इतिहास में सबसे बड़ी आपूर्ति बाधा उत्पन्न कर दी है। हॉर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही ठप है जिससे प्रतिदिन लगभग दो करोड़ बैरल कच्चा तेल और तेल उत्पाद की आवाजाही प्रभावित हुई है। आवाजाही बंद होने से पेट्रोलियम बाजार इस कदर प्रभावित हुआ है कि कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर चली गई हैं और डीजल, जेट ईंधन और तरल पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) जैसे रिफाइंड उत्पादों की कीमतों में और भी भारी वृद्धि हुई है। वहीं इन सब के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर वह अगले 48 घंटों के भीतर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को पूरी तरह से नहीं खोलता है, तो अमेरिका ईरानी बिजली संयंत्रों को पूरी तरह मिटा देगा। ट्रंप ने कहा कि हमले की शुरुआत ईरान के सबसे बड़े पावर प्लांट से की जाएगी। वहीं ट्रंप के बयान के तुरंत बाद ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने पलटवार किया।

100 करोड़ से अधिक लागत वाली जल जीवन मिशन परियोजनाओं की होगी सख्त जांच

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में बढ़ती लागत और अनियमितताओं की आशंकाओं के बीच केंद्र सरकार ने जल जीवन मिशन के तहत चल रही बड़ी परियोजनाओं पर सख्ती बढ़ा दी है। अब 100 करोड़ या उससे अधिक लागत वाली सभी परियोजनाओं की गहन जांच की जाएगी। सूत्रों के अनुसार, केंद्र सरकार राज्यों को फंड जारी करने से पहले इन परियोजनाओं की लागत और कार्यप्रणाली की समीक्षा करेगी। इस कदम का उद्देश्य लागत में हो रही वृद्धि को रोकना और योजनाओं को अधिक पारदर्शी बनाना है। जल जीवन मिशन का लक्ष्य देश के हर ग्रामीण घर तक प्रतिदिन प्रति व्यक्ति कम से कम 55 लीटर स्वच्छ पेयजल नल के माध्यम से उपलब्ध कराना है। पहले इस योजना को 2024 तक पूरा करने का लक्ष्य था, जिसे अब बढ़ाकर 2028 कर दिया गया है। केंद्र सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि 100 करोड़ से अधिक की परियोजनाओं और शहरी/सेक्टोरल जल मांग से जुड़ी योजनाओं की जांच द्वारा की जाएगी, जो आवास और शहरी कार्य मंत्रालय के अंतर्गत कार्य करता है। सरकार ने राज्यों को यह भी बताया है कि रेट्रोफिटिंग (पुरानी योजनाओं के सुधार) के लिए केंद्र से कोई वित्तीय सहायता नहीं दी जाएगी। ऐसे खर्च राज्य सरकारों को अपने संसाधनों से वहन करने होंगे। केंद्र ने जल जीवन मिशन 2.0 के तहत फंड जारी करने के लिए चार अनिवार्य शर्तें भी तय की हैं। राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों द्वारा समझौता पर हस्ताक्षर के साथ 'सुजल गांव' आईडी बनाकर सभी ग्रामीण जल योजनाओं की डिजिटल मैपिंग को जरूरी कर दिया गया है।

1971 में बांग्लादेश में बंगाली हिन्दुओं के खिलाफ पाक सेना कठघरे में ?

डेमोक्रेट सांसद ने की 'युद्ध अपराध और जनसंहार' के रूप में मान्यता देने की मांग

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सांसद ग्रेग लैंड्समैन ने अमेरिकी कांग्रेस की प्रतिनिधि सभा में एक अहम प्रस्ताव पेश किया है। इसमें 25 मार्च 1971 को बांग्लादेश में बंगाली हिन्दुओं के खिलाफ पाकिस्तानी सेना और जमात-ए-इस्लामी जैसे उसके सहयोगियों के हमले को 'युद्ध अपराध और जनसंहार' के रूप में मान्यता देने की मांग की गई है। ओहायो से डेमोक्रेट सांसद की तरफ से पेश यह प्रस्ताव विदेश मामलों पर प्रस्ताव समिति को भेजा गया है, जहां इस पर आगे विचार किया जाएगा। इस प्रस्ताव में कहा गया है कि

25 मार्च 1971 की रात पाकिस्तान सरकार ने शेख मुजीबुर रहमान को जेल में डाल दिया। इसके बाद पाकिस्तानी सैन्य टुकड़ियों ने जमात-ए-इस्लामी की विचारधारा से प्रेरित कट्टरपंथी इस्लामी समूहों के साथ मिलकर पूरे पूर्वी पाकिस्तान में 'ऑपरेशन सर्चलाइट' नामक एक व्यापक कार्रवाई शुरू की, जिसमें आम नागरिकों का बड़े पैमाने पर नरसंहार किया गया। अगर अमेरिका संसद इस प्रस्ताव पर मुहर लगा देती है और बांग्लादेश में हिन्दुओं के खिलाफ पाकिस्तानी सेना और जमात-ए-इस्लामी के अत्याचार को नरसंहार के रूप में मान्यता देता है तो पाकिस्तान पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दबाव बढ़ेगा और अन्य देश और संस्थाएं भी इसी दिशा में कदम उठा सकते हैं। वहीं अमेरिका कुछ व्यक्तियों या संस्थाओं पर लक्षित प्रतिबंध लगा सकता है। प्रस्ताव में उस समय के ढाका में तैनात अमेरिकी वाणिज्य दूत आर्चर ब्लड की तरफ से भेजे गए प्रसिद्ध 'ब्लेड कॉर्डर्स' का भी जिक्र किया है। टेलीग्राम में उन्होंने लिखा था कि पाकिस्तानी सेना के मदद से गैर-बंगाली मुस्लिम समूह गरीब इलाकों पर हमले कर रहे हैं और वहां बंगालियों और हिंदुओं की हत्या कर रहे हैं। इस टेलिग्राम पर ढाका स्थित काउंसुल जनरल ऑफिस के 20 सदस्यों के हस्ताक्षर थे। इसमें कहा गया है, 'लेकिन हमने इस मामले में इस आधार पर हस्तक्षेप न करने का फैसला किया है कि अवामी संघर्ष, जिसके लिए दुर्भाग्यवश 'नरसंहार' शब्द का इस्तेमाल किया जा सकता है, पूरी तरह से एक संप्रभु राष्ट्र का आंतरिक मामला है। प्रस्ताव में कहा गया कि उन्होंने खास तौर से धार्मिक अल्पसंख्यक हिंदुओं को सामूहिक नरसंहार, सामूहिक बलात्कार, धर्म-परिवर्तन और जबरन देश निकाला के जरिए पूरी तरह से मिटाने की कोशिश की। इस बात पर जोर देते हुए कि किसी भी जातीय समूह या धार्मिक समुदाय को उसके सदस्यों द्वारा किए गए अपराधों के लिए पूरी तरह से ज़िम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता, यह प्रस्ताव अमेरिकी राष्ट्रपति से आग्रह करता है कि वे 1971 के दौरान पाकिस्तानी सशस्त्र बलों और उनके सहयोगी संगठन जमात-ए-इस्लामी द्वारा जातीय बंगाली हिंदुओं के खिलाफ किए गए अत्याचारों को 'मानवता के खिलाफ़ अपराध', 'युद्ध अपराध' और 'नरसंहार' के रूप में मान्यता दें।

यूपीएससी में सिलेक्ट एमपी के 61 युवाओं का सम्मान

सीएम डॉ. मोहन यादव बोले- आपका चयन स्थायी, हमें तो हर 5 साल में परीक्षा देनी पड़ती है

भोपाल। कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में शनिवार को यूपीएससी (वढरउ) के चयनित अभ्यर्थियों के लिए 'सफलता के मंत्र' सम्मान समारोह आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मौजूदगी में हुए इस कार्यक्रम में उन 61 चेहरों की चमक दिखी, जिन्होंने संघर्ष और सीमित संसाधनों के बीच देश की सबसे कठिन परीक्षा क्रैक की। यहां मुख्यमंत्री ने कहा कि "लोकतंत्र की यही खूबसूरती है कि यहां एक चाय वाला प्रधानमंत्री बनता है और एक गाय वाला मुख्यमंत्री। हमें हर 5 साल में जनता के बीच परीक्षा देनी पड़ती है, नीतियों के आधार पर उनका विश्वास जीतना पड़ता है।" इस दौरान सीएम ने 'प्रतिभाओं का परचम' पुस्तिका का विमोचन किया और अभ्यर्थियों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार, अनुपम राजन और हिंदी ग्रंथ अकादमी के डायरेक्टर अशोक कड़ेल भी मौजूद रहे।

37 से 61 तक पहुंचा सफर: 22 बच्चे सरकारी कॉलेजों के : अपर मुख्य सचिव अनुपम राजन ने बताया कि यह सिलसिला 2020 में तब शुरू हुआ था जब डॉ. मोहन यादव उच्च शिक्षा मंत्री थे। तब चयनित बच्चों की संख्या केवल 37 थी, जो अब बढ़कर 61 हो गई है। खास बात यह है कि इनमें 20 बेटियां हैं और 22 अभ्यर्थी ऐसे हैं जिन्होंने किसी महंगे प्राइवेट कॉलेज के बजाय सरकारी कॉलेजों से पढ़ाई की है।

सीएम बोले: 2047 में आजादी के अमृतकाल को देखेंगे : सीएम के मंत्रः 'चाय वाला पीएम और गाय वाला सीएम बन सकता है, यह लोकतंत्र की खूबसूरती' मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आप सौभाग्यशाली हैं जो 2047 के अमृतकाल में भारत को नंबर-1 बनते देखेंगे।

राजनीति में रहते हुए कई डिग्रियां हासिल कीं : सीएम ने खुद का उदाहरण देते हुए कहा कि पढ़ने की कोई उम्र नहीं होती, उन्होंने खुद राजनीति में रहते हुए कई डिग्रियां हासिल कीं।

'परीक्षा... चयन और जवाबदेही' : कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने जब अपनी तुलना नवनियुक्त अफसरों से की, तो पूरा हॉल ठहाकों से गूंज उठा। सीएम ने कहा कि "लोकतंत्र में आप सौभाग्यशाली हैं कि एक बार परीक्षा पास की और आपका चयन पक्का हो गया। लेकिन हम राजनीतिज्ञों की परीक्षा हर पांच साल में होती है। हमें जनता के बीच जाना पड़ता है, अपनी नीतियों का हिसाब देना पड़ता है और फिर से उनका भरोसा जीतना पड़ता है। यह व्यवस्था ही देश को जीवंत रखती है।" उन्होंने संदेश दिया कि पद मिलने के बाद अहंकार नहीं, बल्कि सेवा का भाव होना चाहिए क्योंकि असली परीक्षा 'मैदान' (फील्ड) में होती है।

सीएम की अफसरों से 5 अपेक्षाएं

मुख्यमंत्री ने नए अफसरों के सामने पांच मुख्य बिंदु रखेः

अंत्योदयः समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति के लिए काम करें।

नवाचारः आत्मनिर्भर भारत के लिए नए आइडियाज पर काम करें।

शुचिताः समय और कार्य की पवित्रता का ध्यान रखें।

ईमानदारीः सत्यनिष्ठा के मार्ग को कभी न छोड़ें।

शिल्पकारः विकसित भारत के निर्माण में अपनी भूमिका निभाएं।

भोपाल नगर निगम की बैठक में गोमांस पर हंगामा

नेता प्रतिपक्ष-महापौर में हुई नोंक झोंक, बीजेपी पार्षदों ने भी जताया विरोध

भोपाल। भोपाल नगर निगम की बैठक में गोमांस को लेकर हंगामा चला। प्रश्नकाल में नेता प्रतिपक्ष शाबिस्ता जकी ने गोमांस और स्लॉटर हाउस पर पहला प्रश्न किया। इस पर एमआईसी मेंबर आरके सिंह बघेल ने जवाब दिया। इस दौरान महापौर और नेता प्रतिपक्ष के बीच नोंक-झोंक हुई। बीजेपी के सीनियर पार्षद सुरेंद्र बाडिका और विलास राव घड़गे ने भी गोमांस के मुद्दे पर विरोध जताया। सभी ने जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की।

पुराने वादे अधूरे, फिर नए होंगे : आज पुराने अधूरे वादों के बीच भोपाल ह्यशहर सरकारह्ल फिर नए वादे करेगी। भोपाल नगर निगम परिषद की मीटिंग में करीब 3500 करोड़ रुपए का बजट पेश होगा। इसमें शहर के विकास से जुड़े कई मुद्दे रखे जाएंगे, जबकि पिछले 2 साल से किए जा रहे 7 हेरिटेज गेट, गीता भवन बनाने जैसे वादे अब भी अधूरे हैं। 1 साल में सिर्फ दो हेरिटेज गेट के लिए भोपाल-इंदौर स्टेट हाईवे और होशंगाबाद रोड पर भूमिपूजन हुआ है। इधर, गोमांस, नई बिल्डिंग और लोकायुक्त की कार्रवाई के मुद्दे पर विपक्ष की जिम्मेदारों को घेरने की रणनीति है। मंत्री-विधायकों की आपत्ति के बाद प्रॉपर्टी या जल कर बढ़ाने की संभावना कम ही है। पिछली बार कुल 3611 करोड़ रुपए का बजट पेश किया गया था।

जानिए पिछले बजट में क्या था :

भोपाल में प्रॉपर्टी टैक्स में 10% का इजाफा, जलकर में 15 फीसदी की बढ़ोतरी

पिछले बजट में परिषद ने जल, प्रॉपर्टी और ठोस एवं अपशिष्ट पर टैक्स बढ़ाने के साथ कुछ ऐसे फैसले भी लिए थे, जिन्होंने सबको चौंका दिया था। शहर सरकार ने जनता पर टैक्स का बोझ डाला था तो दूसरी तरफ जनप्रतिनिधि यानी, पार्षद, एमआईसी मेंबर, अध्यक्ष और महापौर की सालाना निधि दोगुनी कर दी गई थी।

महापौर मालती राय ने सिटी बसों के लिए महापौर स्मार्ट पास शुरू करने की घोषणा की थी, जो एक साल में भी शुरू नहीं हो पाई। भोपाल में प्रॉपर्टी टैक्स में 10 प्रतिशत, पानी और ठोस-अपशिष्ट पर 15 प्रतिशत टैक्स की बढ़ोतरी की गई। इससे भोपाल के पौने 3 लाख नल कनेक्शन और 5.62 लाख प्रॉपर्टी टैक्स उपभोक्ता प्रभावित हो रहे हैं।

फेक निकली संभागायुक्त कार्यालय को बम से उड़ने की धमकी

ईमेल में लिखा था तमिल सरकार में मंत्री सेंथिल बालाजी पर से सीबीआई मुकदमे हटाएं

भोपाल। भोपाल में संभागीय कमिश्नर कार्यालय को बम से उड़ने की धमकी फेक निकली। हर बार की तरह यह धमकी भी ईमेल के माध्यम से दी गई थी। मेल में लिखा गया है कि डिविजनल कार्यालय में 15 छोटे-छोटे आरडीएक्स बम धमाकों के लिए तैयार हैं। दोपहर 1:15 बजे से पहले सभी को कार्यालय से बाहर कर दें। जानकारी के मुताबिक ईमेल में तमिल सरकार में मंत्री सेंथिल बालाजी पर से सीबीआई केस हटाए जाने की बात भी लिखी है। इस धमकी भरे ईमेल में तेलुगु फिल्म राजू वेड्स राम बाई की जमकर तारीफ भी की गई है।

डॉग स्क्वायड की टीम सर्चिंग में जुटी : धमकी भरे मेल की सूचना मिलने के बाद कोहेफिजा पुलिस सहित बम डिस्पोजल और डॉग स्क्वायड की टीम सर्चिंग में जुट गई है। हालांकि सर्चिंग में किसी प्रकार की संदिग्ध वस्तु पुलिस के हाथ नहीं लगी है। पुलिस आईपी एड्रेस के आधार पर मेल भेजने वाली की तलाश कर रही है।

आरजीपीवी की कैंटीन में स्टूडेंट को परोस दी छिपकली

कर्मचारी ने बताया शिमला मिर्च का टुकड़ा; छात्रों ने वीडियो बनाया, प्रबंधन से जांच की मांग

भोपाल। भोपाल के राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की कैंटीन के भोजन में छिपकली मिलने का दावा किया गया है। छात्रों का आरोप है कि डिनर के दौरान परोसी गई सब्जी में छिपकली मिली, जिसे लेकर जब उन्होंने शिकायत की तो कैंटीन कर्मचारी ने उसे शिमला मिर्च का टुकड़ा बताया। छात्रों ने इस घटना का वीडियो भी बना लिया, जो सोशल मीडिया पर सामने आया है। जानकारी के अनुसार रविवार शाम छात्र डिनर के लिए कैंटीन पहुंचे थे, जहां उन्हें दाल, शिमला मिर्च की सब्जी, रोटी और चावल परोसा गया। खाना शुरू करते ही एक छात्र को सब्जी का स्वाद अजीब लगा। संदेह होने पर जब उसने सब्जी को ध्यान से देखा तो उसमें एक मरी हुई छिपकली दिखाई दी, जो पूरी तरह से सब्जी के साथ तली हुई थी। यह देखते ही वहां मौजूद अन्य छात्र भी चौंक गए और कैंटीन में हड़कंप मच गया।

शिकायत पर कर्मचारी ने किया इनकार : छात्रों ने तुरंत कैंटीन कर्मचारियों को इसकी जानकारी दी, लेकिन आरोप है कि कर्मचारी ने इसे छिपकली मानने से इनकार कर दिया। उसने दावा किया कि वह केवल शिमला मिर्च का टुकड़ा है। घटना के दौरान मौजूद छात्रों ने घटनाक्रम का वीडियो रिकॉर्ड कर लिया। बाद में इसे सोशल मीडिया पर शेयर किया गया। वीडियो सामने आने के बाद अन्य छात्रों और लोगों ने भी कैंटीन व्यवस्था पर सवाल उठाने शुरू कर दिए हैं।

पहले भी उठते रहे हैं सवाल : छात्रों का कहना है कि कैंटीन के खाने की गुणवत्ता को लेकर पहले भी कई बार शिकायतें की जा चुकी हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि साफ-सफाई और भोजन की गुणवत्ता में लगातार लापरवाही बरती जा रही है, लेकिन प्रबंधन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जाती।

घटना के बाद छात्रों ने विश्वविद्यालय प्रशासन से मामले की जांच कर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि इस तरह की लापरवाही से छात्रों के स्वास्थ्य के साथ गंभीर खिलवाड़ हो रहा है। अब सभी की नजर इस बात पर है कि प्रशासन इस मामले में क्या कदम उठाता है।

मक्का से भरी ट्रॉली को डंपर ने मारी टक्कर:एक की मौत

बैतूल। बैतूल जिले के बैतूल बाजार थाना क्षेत्र के तेड़ा जोड़ के पास भोगी टेड़ा नाले के समीप बीती रात सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार डंपर ने ट्रैक्टर-ट्रॉली को टक्कर मार दी, जिससे बड़ा हादसा हो गया। हादसे में डंपर चालक 45 वर्षीय पर्वत गुलबराव की मौके पर ही मौत हो गई। वे सांवनगी, आठनेर के निवासी थे और एक कंस्ट्रक्शन कंपनी में काम करते थे। सोमवार को जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

ट्रैक्टर चालक गंभीर रूप से घायल : जानकारी के अनुसार, सेहरा निवासी करण अमरूते ट्रैक्टर-ट्रॉली में मक्का भरकर बैतूल कृषि मंडी जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से आए डंपर ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि ट्रैक्टर-ट्रॉली पलट गई और करण अमरूते गंभीर रूप से घायल हो गए।

काफी मशक्कत के बाद निकाला शव : हादसे के बाद डंपर चालक केबिन में फंस गया था। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से काफी मशक्कत के बाद उसे बाहर निकाला गया। 112 वाहन से जिला अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। थाना प्रभारी अंजना धुर्वे ने बताया कि प्रारंभिक जांच में हादसे का कारण तेज रफ्तार और लापरवाही सामने आई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

महंगाई के खिलाफ चिचोली में कांग्रेस का प्रदर्शन

पेट्रोल-डीजल और गैस पर घेरा, अधूरी सड़क का मुद्दा भी उठाया; आंदोलन की चेतावनी

बैतूल। बैतूल के चिचोली में ब्लॉक कांग्रेस शहर अध्यक्ष विजय आर्य के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पेट्रोल-डीजल और एलपीजी गैस की बढ़ती कीमतों के विरोध में प्रदर्शन किया। इस दौरान राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन तहसीलदार को सौंपा गया। ज्ञापन में कांग्रेसियों ने कहा कि पेट्रोल-डीजल और रसोई गैस की लगातार बढ़ती कीमतें आम जनता की कमर तोड़ रही हैं। महंगाई के कारण गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों को अपनी रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करने में कठिनाई हो रही है। उन्होंने केंद्र सरकार से इन कीमतों में तत्काल राहत देने की मांग की।

सड़क के अधूरे निर्माण का मुद्दा भी उठाया

कार्यकर्ताओं ने चिचोली से भीमपुर तक बन रही सड़क के अधूरे निर्माण का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने बताया कि लोक निर्माण विभाग द्वारा शुरू किया गया यह कार्य पिछले लगभग दो साल से अधूरा पड़ा है। करीब 10 किलोमीटर तक खुदाई होने के बाद काम बंद कर दिया गया है। सड़क का काम अधूरा होने से लोगों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसके कारण दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ गया है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि इन समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं किया गया, तो उनका आंदोलन और तेज किया जाएगा। प्रदर्शन में सुभाष आर्य (ग्रामीण अध्यक्ष), सुरेंद्र सोलंकी, दिलीप आर्य, हरकचंद आर्य, मनोज यादव, बलराम यादव, रूपेश आर्य, जितेंद्र सूर्यवंशी, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष शेख पप्पू, शेख वसीम, नत्था सिंह, चंचल आर्य और गौरव आर्य सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मध्यप्रदेश में पहली बार आंगनवाड़ी बच्चों का विद्यारंभ समारोह

मिलेगा विद्यारंभ प्रमाण-पत्र : 24 मार्च को पूरे प्रदेश के आंगनवाड़ी केंद्रों में होगा समारोह

राज्य स्तरीय ग्रेजुएशन सेरेमनी में मंत्री सुश्री भूरिया करेंगी बच्चों को सम्मानित

भोपाल। मध्यप्रदेश में प्रारंभिक शिक्षा को नई पहचान देने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल की जा रही है। राज्य में पहली बार आंगनवाड़ी केंद्रों में शाला पूर्व शिक्षा प्राप्त कर रहे 5 से 6 आयु वर्ष के बच्चों को विद्यारंभ प्रमाण-पत्र प्रदान कर उन्हें औपचारिक स्कूली शिक्षा की ओर अग्रसर किया जाएगा। प्रदेश में 24 मार्च को आयोजित होने वाले बाल चौपाल (एउउए ऊं)के अवसर पर प्रदेश के सभी आंगनवाड़ी केंद्रों में एक साथ समारोहपूर्वक प्रमाण-पत्र वितरण किया जाएगा, जिससे शाला पूर्व शिक्षा को सामाजिक और संस्थागत मान्यता मिल सके।

इस पहल को राज्य स्तर पर प्रदर्शित करने के लिए भोपाल में विशेष राज्य स्तरीय ग्रेजुएशन सेरेमनी का आयोजन किया जा रहा है। महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया बच्चों को प्रमाण-पत्र वितरित कर उनके उज्ज्वल शैक्षणिक भविष्य की शुभकामनाएँ देंगी। यह कार्यक्रम भोपाल जिले की बाणगंगा परियोजना के अंतर्गत आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक 1061 और 859 में आयोजित होगा, जहां 35 बच्चों को विद्यारंभ प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे।

यह पहल केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के निदेर्शों के अनुरूप की जा रही है, जिसके अंतर्गत आंगनवाड़ी केंद्रों में पंजीकृत 5-6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को विद्यारंभ प्रमाण पत्र देकर उनके शैक्षणिक जीवन की औपचारिक शुरूआत को मान्यता दी जाएगी। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों के अनौपचारिक शिक्षा से औपचारिक विद्यालयी प्रणाली में सुगम संक्रमण को सुनिश्चित करना, परिवार और समुदाय को शाला पूर्व शिक्षा के प्रति जागरूक करना तथा आंगनवाड़ी केंद्रों को प्रारंभिक शिक्षा के सशक्त केन्द्र के रूप में स्थापित करना है।

कार्यक्रम के आयोजन में प्रारंभिक शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत संस्था रॉकेट लर्निंग का भी सहयोग प्राप्त हो रहा है। संस्था के साथ केंद्र और राज्य स्तर पर हुए समझौते के तहत वर्तमान में मध्यप्रदेश के 39 जिलों में गुणवत्तापूर्ण शाला पूर्व शिक्षा को सुदृढ़ बनाने के लिए विभिन्न गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं।

विद्यारंभ प्रमाण-पत्र पहल से न केवल बच्चों की शैक्षणिक यात्रा में निरंतरता सुनिश्चित होगी बल्कि समुदाय में आंगनवाड़ी केंद्रों के प्रति विश्वास और सहभागिता भी बढ़ेगी। इससे बच्चों का स्कूल से जुड़ाव मजबूत होगा और भविष्य में ड्रॉपआउट दर कम करने में भी मदद मिलेगी।

छिंदवाड़ा में बढ़ी गर्मी की तपिश बूंदाबांदी के बाद 5डिग्री चढ़ा पारा

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा में चार दिन पहले हुई हल्की बूंदाबांदी के बाद अब मौसम ने कर-वट बदल ली है। पिछले कुछ दिनों से लगातार तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है, जिससे लोगों को दोपहर के समय तेज गर्मी का एहसास होने लगा है। सुबह और शाम हल्की ठंडक के बावजूद दिन में गर्म हवाओं और तेज धूप ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। मौसम विभाग के अनुसार, बूंदाबांदी के दौरान तापमान में थोड़ी गिरावट आई थी, लेकिन उसके बाद से ही पारा धीरे-धीरे चढ़ने लगा। पिछले 4 दिनों में अधिकतम तापमान में लगभग 3 से 5 डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। जहां पहले तापमान 30-31 डिग्री के आसपास था, वहीं अब यह बढ़कर 34-35 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच रहा है।

स्वास्थ्य पर पड़ रहा असर : मौसम में अचानक बदलाव का असर लोगों की सेहत पर भी दिखाई देने लगा है। जिला अस्पताल और निजी क्लीनिकों में सर्दी-खांसी, बुखार, डिहाइड्रेशन और वायरल संक्रमण के मरीजों की संख्या बढ़ रही है। खासकर बच्चे और बुजुर्ग इस मौसम में ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं।

डॉक्टरों की सलाह

स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। उनका कहना है कि दिन में तेज धूप से बचें, ज्यादा से ज्यादा पानी पिएं और हल्का व संतुलित भोजन करें। बाहर निकलते समय सिर को ढंककर रखें और अनावश्यक धूप में घूमने से बचें। ठंडी चीजों का अधिक सेवन करने से भी बचने की सलाह दी गई है, क्योंकि इससे गला खराब और संक्रमण का खतरा बढ़ सकता है।

ये सावधानियां रखें

दिन में 12 बजे से 3 बजे के बीच बाहर निकलने से बचें

पर्याप्त मात्रा में पानी और तरल पदार्थ लें

ताजा और हल्का भोजन करें

बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखें

धूप में निकलते समय छाता या टोपी का उपयोग करें

किसानों और आमजन पर असर

तापमान बढ़ने से किसानों की चिंता भी बढ़ने लगी है, क्योंकि गर्मी बढ़ने से फसलों पर असर पड़ सकता है। वहीं शहर में दोपहर के समय सड़कों पर आवाजाही कम देखने को मिल रही है। मौसम विशेषज्ञों का अनुमान है कि आने वाले दिनों में तापमान में और बढ़ोतरी हो सकती है। ऐसे में गर्मी का असर और अधिक तेज होने की संभावना है।

छिंदवाड़ा में रामनवमी की तैयारियां शुरू:भगवा रंग में सजेगा शहर, भव्य शोभायात्रा और दशहरा मैदान में होगा आयोजन

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा में रामनवमी को लेकर शहर में तैयारियां शुरू हो गई हैं। हिंदू उत्सव समिति ने इस बार भी भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव को भव्य रूप देने की योजना बनाई है। इसी सिलसिले में समिति द्वारा एक पत्रकार वार्ता आयोजित कर कार्यक्रम की रूपरेखा साझा की गई। समिति ने बताया कि पूरे शहर को भगवा पताकाओं और आकर्षक लाइटिंग से सजाया जाएगा। साथ ही हर वर्ष की तरह इस बार भी भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी, जिसे और अधिक आकर्षक बनाने के लिए कई सुझावों पर विचार कर निर्णय लिए गए हैं। बैठक में भाजपा के पूर्व मंत्री चौधरी चंद्रभान सिंह ने शोभायात्रा के दौरान पुष्प वर्षा कराने का सुझाव दिया। वहीं कांग्रेस नेता आनंद बक्शी ने शहरवासियों से अपील की कि रामनवमी की पूर्व संध्या पर अपने घरों को दीप और लाइटिंग से सजाएं। समिति के अनुसार, पदयात्रा चार फाटक स्थित दादा धूनी वाले मंदिर से शुरू होकर शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए दशहरा मैदान पहुंचेगी, जहां इसका समापन होगा। खास बात यह है कि हर साल अन्नगद हनुमान मंदिर में होने वाली हनुमान चालीसा का आयोजन इस बार दशहरा मैदान में किया जाएगा। समिति ने आमजन से अपील की है कि रामनवमी के दिन अपने प्रतिष्ठान बंद रखकर पदयात्रा में शामिल हों और परिवार के साथ इस आयोजन का हिस्सा बनें। इस बार भी पदयात्रा का नेतृत्व महिला शक्ति करेगी, जिसमें महिलाएं भगवा रंग के ड्रेस कोड में रहेंगी, जबकि पुरुष सफेद कुर्ता-पजामा में नजर आएंगे।

पत्रकार वार्ता में वरिष्ठ कांग्रेस नेता गंगा प्रसाद तिवारी, पूर्व भाजपा अध्यक्ष रमेश पोफली, भाजपा जिला अध्यक्ष शेष राव यादव, कांग्रेस जिला अध्यक्ष विश्वनाथ ओकटे, विजय पांडे, सिंधी समाज के अध्यक्ष कृषण हरजानी, शिव मालवी, संतोष राय, हरिओम सोनी, दिवाकर सदारंग, नितिन उपाध्याय सहित बड़ी संख्या में समिति के सदस्य मौजूद रहे।

कलेक्टर सिंह की अध्यक्षता में लंबित पत्रों की समीक्षा बैठक संपन्न

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

कलेक्टर राघवेंद्र सिंह की अध्यक्षता में आज लंबित पत्रों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उन्होंने जल संचय जन भागीदारी कार्यक्रम अंतर्गत जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा कर कहा कि इस दिशा में प्रभावी कार्य करें। पिछली बार इस अभियान अंतर्गत जो कार्य अपूर्ण है, उन्हें पूर्ण कराने के निर्देश भी दिये गये। बैठक में उन्होंने सीएम हेल्पलाईन व लंबित प्रकरणों की समीक्षा कर कहा कि इस दिशा में प्राथमिकता से कार्य करें। सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों के निराकरण में कम प्रगति लाने वाले अधिकारियों से कहा कि संतुष्टिजनक प्रगति नहीं आने पर आवश्यक कार्यवाही की जायेगी। इसके अलावा उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री, एसीएस व प्रभारी मंत्री के बैठकों में दिये निदेर्शों का पालन प्रतिवेदन देना सुनिश्चित करें और जो भी लंबित है उन पर कार्य करें। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान अंतर्गत सहयोगी व उप सहयोगी समिति का गठन करने, गौर नदी के पुनर्जीवन, पुस्तक मेला, डॉ. भीमराव अम्बेडकर कामधेनू योजना और हिरण्यगर्भा अभियान के साथ गौशालाओं के लिए भूमि आवंटन के संबंध में आवश्यक निर्देश दिये। कलेक्टर सिंह ने 23 मार्च से 30 मार्च तक वंदे मातरम अभियान अंतर्गत वंदे मातरम गाते हुए सोशल मीडिया पर सेल्फी अपलोड करना तथा विभागीय वेबसाईट पर भी अभियान अंतर्गत की जाने वाली गतिविधियों की प्रविष्टि सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि सेडमेप के माध्यम से मेन पावर उपलब्ध कराने के लिए कार्यक्रम जारी है अतः इस दिशा में युवा आवेदन कर सकते हैं। बैठक में राजस्व वसूली, समग्र ई-केवायसी, फेसलेस रजिस्ट्री, दिव्यांगजनों के चिन्हांकन व उन्हें लाभांवित करने के लिए शिविर आयोजित करने के साथ वर्तमान परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए कोयला से खाना बनाने के प्रचार-प्रसार के संबंध में आवश्यक निर्देश दिये। कलेक्टर सिंह ने कहा कि सभी विभाग अपने ऑफिस को अपडेट रखें और प्रभारी मंत्री की बैठक में दिये निदेर्शों का पालन सुनिश्चित करें। इसके अलावा उन्होंने रबी उपार्जन के संबंध में भी आवश्यक चर्चा की। बैठक में उन्होंने सेवा निवृत्त व्यक्तियों के प्रकरणों के निराकरण के लिए शिविर आयोजित करने के साथ कहा कि कर्मयोगी पोर्टल अंतर्गत चिन्हित विषयों में दस-दस कोर्स करें, जिनमें पांच विभागीय हों तथा पांच अन्य विषय से संबंधित कोर्स हों। इस दौरान नगर निगम कमिश्नर रामप्रकाश अहिरवार, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक गहलोत सहित सभी संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

ओला ई बाइक की सर्विस से अत्यधिक परेशान आमजन

आहत अधिवक्ताओं एवं पीड़ितों ने शोरूम का घेराव कर की तालाबंदी

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

वरिष्ठ अधिवक्ता श्री जी एस ठाकुर के नेतृत्व में अधिवक्ता एवं पीड़ित समुदाय ने विजयनगर स्थित ओला ई बाइक कंपनी की परेशानियां से आहत होकर शोरूम में घेराव कर तालाबंदी की। गौरतलब है कि ओला ई बाइक कंपनी की सर्विस से अधिकतम नागरिक लगातार परेशान चले आ रहे हैं एवं ई बाइक की सर्विस के नाम पर उन्हें लगातार परेशान किया जा रहा है ,पूर्व में भी कई बार शोरूम एवं कंपनी प्रबंधन से चर्चा के बावजूद भी आज दिनांक तक उपभोक्ताओं को कोई राहत नहीं प्राप्त हो रही है। जीएस ठाकुर ने बताया कि ओला कंपनी से परेशान समस्त नागरिक लगातार शोरूम के चक्कर काट रहे हैं महीनो तक उनकी गाड़ियां शोरूम में खड़ी रहती हैं जिसके पार्ट्स तक नहीं मिलते सर्विस के नाम पर ही बाइक कंपनी की व्यवस्था पूर्णता ठप्प है जिससे आमजन के हितों को नुकसान पहुंचाया जा रहा है यह जनहित का मुद्दा है इस कारण आज सांकेतिक रूप से ओला ई बाइक शोरूम का घेराव कर शोरूम में तालाबंदी की गई है ताकि पीड़ित उपभोक्ताओं को न्याय प्राप्त हो सके। शोरूम पहुंचने के पूर्व पुलिस को भी इसकी सूचना दी गई एवं मौके पर जानकारी प्राप्त हुई कि ओला कंपनी के तीनों शोरूम बंद हैं अधिवक्ताओं एवं आम जनों ने बैंड शोरूम में ही तालाबंदी कर प्रदर्शन किया।

यह रहे उपस्थित : प्रदर्शन में एड जी एस ठाकुर, एड संजय सोनी, एड रजनीश यादव, एड जय सचदेवा, शैलेंद्र यादव, एड संदीप शुक्ला, एड आरके चौबे, एड शशिकांत सोनी, एड रविंद्र दत्त, शिवमोहन सिंह बघेल, मनमोहन चतुर्वेदी, एड सोनू श्रीवास्तव , एड योगेश नैचलानी, ट्विंकल शाह, विकास खरे, मगन सिद्दकी, सोनू वर्मा, एड सुधा जी, एड कोहली, एड पवित्र कटियार, एड पवन यादव आदि उपस्थित थे।

जीरो कंट्रास्ट PCI द्वारा हुई किडनी मरीज की जटिल एंजियोप्लास्टी

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

शैल्बी हॉस्पिटल में "जीरो कंट्रास्ट ढउक" द्वारा हुई किडनी मरीज की जटिल एंजियोप्लास्टी। मरीज की एंजियोग्राफी के दौरान हृदय की मुख्य धमनी में दो लंबे अवरोध (ब्लॉकेज) पाए गए। मरीज का क्रिएटिनिन स्तर 4.3 होने के कारण उनकी किडनी की स्थिति भी गंभीर थी। ऐसी परिस्थितियों में कंट्रास्ट (डाई) का अधिक उपयोग जोखिमपूर्ण होता है, जिससे किडनी पर अतिरिक्त दबाव पड़ सकता है और एंजियोप्लास्टी के बाद डायलिसिस की आवश्यकता भी उत्पन्न हो सकती है। इन्हीं चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए, डॉ. आशीष तिवारी, डॉ. अतुल दुबे एवं उनकी विशेषज्ञ टीम द्वारा मरीज के लिए Zero Contrast Angioplasty का सफल निर्णय लिया गया। यह प्रक्रिया क्श्वर (Intravascular Ultrasound) Guided तकनीक के माध्यम से की जाती है, जिसमें बिना कंट्रास्ट डाई के ही धमनियों का सटीक आकलन कर सुरक्षित एवं प्रभावी एंजियोप्लास्टी की जाती है। सफल उपचार के पश्चात मरीज की स्थिति में निरंतर सुधार देखा गया और उन्हें पूर्णतः स्थिर अवस्था में अस्पताल से सफलतापूर्वक छुट्टी दी गई। इस उन्नत तकनीक के माध्यम से मरीज का सफलतापूर्वक उपचार किया गया, जिससे किडनी पर किसी प्रकार का अतिरिक्त जोखिम नहीं पड़ा। शैल्बी अस्पताल में 4 कार्डियोलॉजिस्ट और कार्डियक सर्जन की टीम है जिनमे डॉ आशीष तिवारी, डॉ अतुल दूबे, डॉ नितिन दास, डॉ नवीन शर्मा और डॉ आर एस शर्मा शामिल हैं।

शहीदों की वेशभूषा में सड़कों पर निकले युवा, नारों से गूंजा शहर

शहीद दिवस के अवसर पर मशाल यात्रा का आयोजन

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

शहीद दिवस के पावन अवसर पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) जबलपुर महानगर द्वारा वीर भगत सिंह, सुखदेव एवं राजगुरु की स्मृति में एक भव्य मशाल यात्रा का आयोजन किया गया। इस यात्रा में जबलपुर महानगर के विभिन्न महाविद्यालयों एवं शिक्षण संस्थानों के सैकड़ों विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर देशभक्ति एवं शहीदों के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की। मशाल यात्रा का शुभारंभ छोटी लाइन चौक से हुआ, जहाँ परिषद के कार्यकताओं एवं विद्यार्थियों ने भारत माता के जयघोष के साथ राष्ट्रभक्ति के नारों से वातावरण को गुंजायमान कर दिया। यात्रा के दौरान विद्यार्थियों के हाथों में प्रज्वलित मशालें देश के उन अमर बलिदानियों की स्मृति को जीवंत कर रही थीं, जिन्होंने भारत की स्वतंत्रता और स्वाभिमान की रक्षा के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। यह यात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से होती हुई कटंगा तिराहे पर स्थित अमर शहीद भगत सिंह की प्रतिमा के समक्ष पहुँची, जहाँ कार्यक्रम का समापन श्रद्धांजलि सभा के साथ हुआ। इस अवसर पर उपस्थित सभी विद्यार्थियों एवं परिषद पदाधिकारियों ने शहीद भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया तथा उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए परिषद के महानगर मंत्री आर्यन पुंज ने कहा कि शहीद दिवस केवल एक स्मरण का दिन नहीं, बल्कि युवाओं के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। आज के युवा वर्ग को चाहिए कि वे शहीदों के त्याग, साहस और राष्ट्रप्रेम से प्रेरणा लेकर देश के विकास और सामाजिक उत्थान में सक्रिय भूमिका निभाएँ। उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद सदैव राष्ट्रहित के कार्यों में अग्रणी रही है और भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं में राष्ट्रभक्ति की भावना जागृत करती रहेगी। मशाल यात्रा के दौरान विद्यार्थियों ने ह्यशहीदों का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तानह्ण, ह्यवंदे मातरम्ह्ण और ह्यभारत माता की जयह्ण जैसे नारों के साथ देशभक्ति का संदेश जन-जन तक पहुँचाया। स्थानीय नागरिकों ने भी यात्रा का स्वागत करते हुए विद्यार्थियों के इस प्रयास की सराहना की।

यह रहे उपस्थित :

इस कार्यक्रम में परिषद के केंद्रीय कार्यसमिति सदस्य माखन शर्मा , महानगर मंत्री आर्यन पुंज , ऐश्वर्य सोनकर, प्रफुल तिवारी , भास्कर पटेल , अनमोल सोनकर , लखन मांझी , गौरव बाल्मीकि , अमन तिवारी , स्वयं ठाकुर , सुजीत पटेल , अरमान पांडे ,दिव्य सोलंकी , समीर यादव ,अमन खरे , वासु जैन ,कार्तिक पटेल , राहुल पटेल , आशुतोष पटेल , अंशुमन पटेल एवं जबलपुर महानगर के छात्र-छात्राएँ एवं नगर के गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन परिषद के कार्यकताओं द्वारा अनुशासित एवं व्यवस्थित रूप से किया गया, जिससे पूरे आयोजन में गरिमा और उत्साह का समन्वय देखने को मिला।

लाडली बसेरा में नवरात्रि पंचमी पर कन्या पूजन

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

लाडली बसेरा सेवा भारती, जबलपुर द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी नवरात्रि की पावन पंचमी तिथि, सोमवार को कन्या पूजन का कार्यक्रम श्रद्धा, भक्ति एवं उत्साह के साथ संपन्न किया गया। कार्यक्रम का आयोजन सेवाश्रय भवन, शहनाई गार्डन के समीप किया गया, जहां बालिकाओं को देवी स्वरूप मानते हुए विधि-विधान से उनका पूजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत माँ दुर्गा के पूजन एवं आरती के साथ हुई, जिसके पश्चात कन्याओं के चरण स्पर्श कर उन्हें भोजन, उपहार एवं वस्त्र अर्पित किए गए। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष, सेवा भारती जबलपुर के समिति सदस्य, संस्था के नियमित दानदाता एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। लाडली बसेरा की समस्त बालिकाओं ने कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिससे वातावरण भक्तिमय एवं उल्लासपूर्ण बना रहा। संस्था के अध्यक्ष ने अपने उद्बोधन में कहा कि कन्याएं समाज की शक्ति और भविष्य हैं, उनका सम्मान एवं संरक्षण हम सभी का दायित्व है। उन्होंने समाज के सभी वर्गों से ऐसे कार्यों में निरंतर सहयोग की अपील की। कार्यक्रम के सफल आयोजन में सभी सहयोगियों, दानदाताओं एवं कार्यकताओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा। अंत में सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया।

सम्भागीय उड़न दस्ता ने वसूला 40,500 रुपये का राजस्व

नियम विरुद्ध यात्री वाहनों पर आरटीओ की सघन कार्रवाई

जबलपुर। परिवहन आयुक्त उमेश जोगा एवं कलेक्टर राघवेंद्र सिंह के निदेर्शों के पालन में आरटीओ श्रीमती रिंकू शर्मा के नेतृत्व में नियम विरुद्ध संचालित यात्री वाहनों के विरुद्ध आरटीओ उड़नदस्ता द्वारा सघन जांच अभियान चलाया गया। जांच के दौरान वाहन क्रमांक टढ 04 ढअ 0680 को आवश्यक दस्तावेजों के अभाव एवं कर वंचन के कारण जब्त किया गया। वहीं, वाहन क्रमांक टढ 20 ए 6165 से 31,000/- रुपये का राजस्व वसूला गया। इसके अतिरिक्त 07 अन्य वाहनों पर चलानी कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई में कुल 40,500/- रुपये का राजस्व वसूल किया गया।

यह रहे उपस्थित : चलानी कार्रवाई के दौरान प्रभारी राजेंद्र साहू, परिवहन उप निरीक्षक अक्षय पटेल, परिवहन आरक्षक इम्तियाज हुसैन, पीयूष मरावी, सारंगधर महाले, उमाशंकर उपाध्याय, आशुतोष मोघे, धर्मेंद्र तोमर, धीरज खरे, शंकर झरिया एवं समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

सत्ता नहीं-व्यवस्था परिवर्तन के समर्थक थे डाक्टर राम मनोहर लोहिया

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

डॉ राम मनोहर लोहिया जी की 116 वी जन्म जयंती का कार्यक्रम रसल चौक में मनाया गया। स्वतंत्रता सेनानी, प्रखर समाजवादी और सप्त क्रांति के सूत्रधार लोहिया जी ने कहा था। असली आजादी देश को तब मिलेगी जब हम सब जाति भेदभाव खिलाफ लड़कर जाती भेदभाव को मिटाएंगे, रंग भेद मिटाएंगे, लिंग भेद मिटाएंगे, देश में उपलब्ध पूंजी सभी का उसे पर बराबर का अधिकार हो। आर्थिक समानता देश में कायम हो। विश्व में शांति हथियारों के बल पर कायम नहीं की जा सकती। विश्व में और देश में शांति के लिए विचारों का आदान-प्रदान हो और एक दूसरे के विचारों का सम्मान हो। नफरत चाहे धार्मिक हो, और चाहे जातीय हो, हर प्रकार की नफरत से ऊपर उठकर हमको भाईचारे का व्यवहार करना होगा तब हम एक अच्छे देश का निर्माण करने में और अच्छे समाज की स्थापना में सफल होंगे। हिंसा और कट्टरता के खिलाफ डटकर खड़ा होना होगा। सत्याग्रह और शांतिपूर्ण ढंग से अपने विचारों को रखकर देश में बदलाव किया जा सकता है। ऐसे विचार वक्ताओं ने उपस्थित कार्यक्रमों में कार्यक्रम में रखें। कार्यक्रम में लोहिया विचार मंच के संयोजक रामरतन यादव, राधेश्याम अग्रवाल, घनश्याम यादव, एडवोकेट सुधीर शर्मा, इंद्र कुमार कुलस्ते, एडवोकेट धीरज सिंह, अमित पांडे, प्रहलाद बौद्ध, एडवोकेट विजय मिश्रा, सलीम मंसूरी, सौरभ जैन, एडवोकेट अनुराग सिंह, एडवोकेट नरेश चक्रवर्ती, प्रमोद सेन, रज्जन यादव, सहित बड़ी संख्या में लोहिया विचार मंच के साथियों ने उपस्थित होकर उनके तेल चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया।

हिंदू नववर्ष पर निकली भव्य शोभायात्रा

27 वर्षों की परंपरा का 54वाँ आयोजन, हजारों श्रद्धालु हुए शामिल

हनुमान प्रखंड, प्रांत-विभाग व तीनों जिलों के कार्यकताओं की सक्रिय सहभागिता

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

हिंदू नववर्ष एवं चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल (रानी दुर्गावती जिला) द्वारा आयोजित विराट महाआरती एवं भव्य शोभायात्रा हर्षोल्लास एवं भक्ति भाव के साथ सम्पन्न हुई। माँ बड़ी खेरमाई मंदिर (भानतलैया) से प्रारंभ होकर माँ बूढ़ी खेरमाई मंदिर (चार खंभा) तक निकली इस शोभायात्रा में हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। पूरे मार्ग में जयघोष, भक्ति गीतों और धार्मिक उत्साह से वातावरण भक्तिमय बना रहा। इस आयोजन की विशेषता यह रही कि हनुमान प्रखंड, प्रांत एवं विभाग स्तर के कार्यकताओं के साथ-साथ सभी तीनों जिलों से आए कार्यकताओं एवं भारी संख्या में आम जनमानस की सहभागिता ने शोभायात्रा को भव्य एवं ऐतिहासिक स्वरूप प्रदान किया। 27 वर्षों से निरंतर आयोजित हो रही इस परंपरा का यह 54वाँ सफल आयोजन रहा, जिसमें युवाओं, मातृशक्ति एवं विभिन्न सामाजिक-धार्मिक संगठनों की उल्लेखनीय भागीदारी रही। कार्यक्रम के दौरान हिंदू समाज की एकता, शौर्य और सांस्कृतिक गौरव का प्रदर्शन हुआ। साथ ही, माँ खेरमाई मंदिर में भव्य कॉरिडोर निर्माण के संकल्प को भी समाज के समक्ष रखा गया, जिसे व्यापक समर्थन मिला। हिंदू नववर्ष का यह आयोजन समाज की एकता और सांस्कृतिक चेतना को सुदृढ़ करने का माध्यम है। यह आयोजन युवाओं को अपनी परंपरा और संस्कारों से जोड़ने का कार्य करते हैं। कार्यक्रम का समापन माँ खेरमाई के चरणों में विराट महाआरती के साथ हुआ, जिसमें क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की गई।

संपादकीय

महंगाई और रोजगार के बीच संतुलन की चुनौती : सरकार के प्रयास और अपेक्षाएं

देश इस समय एक जटिल आर्थिक दौर से गुजर रहा है, जहाँ एक ओर वैश्विक परिस्थितियों का दबाव है, तो दूसरी ओर आम नागरिक की रोजमर्रा की चुनौतियाँ भी लगातार बढ़ रही हैं। 22 मार्च 2026 की स्थिति को देखें तो महंगाई और रोजगार आज के सबसे प्रमुख मुद्दों के रूप में सामने हैं। हालांकि यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि इन चुनौतियों के बीच सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों और उपलब्धियों को भी संतुलित दृष्टि से समझा जाए।

पिछले कुछ वर्षों में वैश्विक स्तर पर आर्थिक अस्थिरता, कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, आपूर्ति श्रृंखला में बाधाएं और अंतरराष्ट्रीय तनावों का असर भारत सहित लगभग सभी देशों पर पड़ा है। ऐसे में भारत की अर्थव्यवस्था ने अपेक्षाकृत मजबूती दिखाई है और विकास दर को बनाए रखने में सफलता हासिल की है। बुनियादी ढांचे में निवेश, डिजिटल अर्थव्यवस्था का विस्तार और विनिर्माण क्षेत्र को प्रोत्साहन जैसे कदम सरकार की दीर्घकालिक सोच को दर्शाते हैं।

फिर भी, यह स्वीकार करना होगा कि महंगाई का असर आम आदमी पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। खाद्य पदार्थों, ईंधन और दैनिक उपयोग की वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि ने परिवारों के बजट को प्रभावित किया है। सरकार ने इस दिशा में कई कदम उठाए हैं जैसे आवश्यक वस्तुओं के आयात निर्यात पर नियंत्रण, सार्वजनिक वितरण प्रणाली को मजबूत करना और जरूरतमंद वर्गों को राहत पहुंचाने के प्रयास। लेकिन इन उपायों का प्रभाव हर वर्ग तक समान रूप से नहीं पहुंच पा रहा है, जो एक महत्वपूर्ण चुनौती बनी हुई है।

रोजगार के क्षेत्र में भी मिश्रित तस्वीर सामने आती है। एक ओर स्टार्टअप और नई तकनीकी कंपनियों के माध्यम से अवसरों का विस्तार हुआ है, वहीं पारंपरिक क्षेत्रों में रोजगार की गति उतनी तेज नहीं रही है। सरकार ने मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया और कौशल विकास योजनाओं के माध्यम से रोजगार सृजन की दिशा में प्रयास किए हैं। इसके सकारात्मक परिणाम भी देखने को मिले हैं, लेकिन बढ़ती युवा आबादी के अनुपात में यह पर्याप्त नहीं कहा जा सकता।

यहाँ सबसे बड़ी आवश्यकता संतुलन की है ऐसा संतुलन जो विकास और सामाजिक सुरक्षा दोनों को साथ लेकर चले। केवल बड़े निवेश और परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित करने के साथ साथ छोटे व्यवसायों, किसानों और असंगठित क्षेत्र को भी मजबूती देना जरूरी है। सरकार ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं, लेकिन इनका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए क्रियान्वयन में और सुधार की आवश्यकता है। महंगाई पर नियंत्रण के लिए सरकार की नीतियां तभी प्रभावी होंगी जब आपूर्ति और मांग के बीच संतुलन को बेहतर तरीके से प्रबंधित किया जाए। इसके लिए कृषि क्षेत्र में सुधार, भंडारण सुविधाओं का विस्तार और बाजार व्यवस्था को पारदर्शी बनाना जरूरी है। साथ ही, जमाखोरी और कालाबाजारी पर सख्त कार्रवाई भी आवश्यक है, ताकि कृत्रिम रूप से बढ़ाई गई कीमतों पर रोक लगाई जा सके। विपक्ष की भूमिका भी इस परिप्रेक्ष्य में अहम है। एक स्वस्थ लोकतंत्र में सरकार की नीतियों की समीक्षा और आलोचना जरूरी है, लेकिन इसके साथ ही रचनात्मक सुझाव देना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। केवल राजनीतिक लाभ के लिए मुद्दों को उछालने के बजाय समाधान आधारित राजनीति को बढ़ावा देना समय की मांग है।

आज के बेचैन दर्शकों के युग में कहानियां बयां करने के बदल रहे तरीके

नीरज पांडे की तस्करीः द स्मगलर्स वेब (नेटफ्लिक्स पर) हवाई अड्डे के सेट पर फिल्माई गई रोमांचक सीरीज है। इसकी कहानी बिल्कुल सीधी-सादी है। ईमानदार सीमा शुल्क अधिकारी व्यवस्था के अंदर और बाहर दोनों जगह सोना, हैंडबैग, घड़ियां और नशीली दवाओं (ड्रग्स) जैसी चीजों की तस्करी रोकने के लिए जूझते दिखते हैं। मगर इस फिल्म की पटकथा पेश करने का जो तरीका अपनाया गया है वह अनोखा है। कहानी की गति रुक-रुक कर चलती है, दृश्य बहुत चमकीले लगते हैं, चेहरे फोटोशॉप किए हुए से लगते हैं मानो आप कई छोटे वीडियो देख रहे हों। कुछ फ्लैशबैक एनीमे शैली के हैं। इस साल जनवरी में रिलीज होने के तुरंत बाद तस्करी नेटफ्लिक्स पर वैश्विक तालिका में सबसे ऊंचे पायदान पर पहुंच गई और तीन सप्ताह तक वहीं बनी रही। आदित्य धर की धुरंधर(हाल के समय की सबसे हिट फिल्मों में से एक) जासूसों की कहानी बताने के लिए एक अनोखे, आठ-चैप्टर वाले कथानक का उपयोग करती है। ध्यान दें कि ये सेवरेंस या प्लुरिबस जैसी अनोखी कहानियां नहीं हैं, जो ऐपल टीवी पर उपलब्ध हैं। ये बस ऐसी कहानियां हैं जो सौंदर्य और अन्य दृष्टि से एक नए तरीके से तैयार की गई हैं। पिछले एक दशक में सामग्री की बाढ़ से प्रभावित नए दर्शकों को समझने की कोशिश कर रहे कहानीकारों के लिए ये फिल्में उम्मीद ?की एक किरण लेकर आई हैं। भारत में अब 900 से अधिक टीवी चैनल, हजारों समाचार पत्र और 860 से अधिक रेडियो चैनल हैं। हम एक सामान्य वर्ष में 1,600 से अधिक फिल्में बनाते हैं। स्ट्रीमिंग को लोकप्रिय हुए एक दशक से अधिक समय हो गया है और शॉर्ट वीडियो को आए छह साल हो गए हैं। पिछले दो वर्षों में इस सूची में अति संक्षिप्त नाटक (माइक्रो ड्रामा) भी जुड़ गए हैं। 60 से अधिक वीडियो स्ट्रीमिंग ऐप और एक दर्जन संगीत स्ट्रीमिंग ऐप के साथ अब सामग्री का एक विशाल भंडार उपलब्ध है। इसकी व्यापकता का अंदाजा इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि यूट्यूब हर मिनट 500 घंटे का वीडियो अपलोड करता है। यह लेख केवल उन 52.3 करोड़ भारतीयों की बात कर रहा है जो ब्रॉडबैंड इंटरनेट से जुड़े लैपटॉप, टीवी या फोन का उपयोग करते हैं। अब अधिक सामग्री देखने के पहलू पर विचार करते हैं। हम बिल्ली और कुत्ते के वीडियो से लेकर वेब सीरीज, दोस्त की शादी के डांस वीडियो, उडोन नूडल्स बनाने के वीडियो और पूरी फिल्म तक न जाने कितनी चीजें देखते रहते हैं। अलग-अलग शैलियों, भाषाओं, देशों और संस्कृतियों के बीच लगातार विचरते रहने से हमारे दिमाग में एक तरह का बदलाव आया है जिसका अध्ययन दुनिया भर के शोधकर्ता कर रहे हैं। एक अध्ययन में पाया गया है कि ज्यादा स्क्रीन इस्तेमाल करने वालों का ध्यान सिर्फ 8 सेकंड तक ही टिक पाता है, जो एक गोल्डफिश के 9 सेकंड से भी कम है। अब सवाल है कि इस दर्शक वर्ग को कहानी कैसे सुनाई जाए? अगर कहानियां दिमाग को तरोताजा कराने और जागरूक बनाने का जरिया हैं तो उन्हें देखने का हमारा तरीका बदल गया है। अगर वे कला का एक नमूना हैं तो हमारा नजरिया बदल गया है। इसके लिए कहानियों में नहीं बल्कि कहानी कहने के तरीके या इसकी शैली में बदलाव की जरूरत है ताकि यह कहानियों की भरमार और अतिशयता में अलग दिखे और लोगों को समझने, सराहना करने और बार-बार देखने के लिए खींच सके। तस्करी या धुरंधर के निमार्ता यही कोशिश कर रहे हैं। इस व्यवसाय की अर्थव्यवस्था उनकी इस क्षमता पर निर्भर करती है। यहां दो बातें ध्यान देने योग्य हैं। पहली बात, यह सिर्फ सामग्री देखने में बिताए गए समय की बात नहीं है। कॉमस्कोर के आंकड़ों के अनुसार अक्टूबर 2025 में भारत में ऑनलाइन उपभोग (समाचार, मनोरंजन और सोशल मीडिया) प्रतिदिन 2 घंटे था। टीवी (लगभग 4 घंटे) और अन्य मीडिया को शामिल कर दें तो यह आंकड़ा एक तिहाई से अधिक भारतीयों के लिए प्रतिदिन 7-8 घंटे के करीब पहुंच जाता है। यह औसत पिछले कुछ वर्षों से बना हुआ है। दूसरी बात, यहां मसला सामग्री की गुणवत्ता का नहीं है। कोहरा (नेटफ्लिक्स) और द फैमिली मैन (एमेजॉन प्राइम वीडियो) से लेकर फ्रीडम ऐट मिडनाइट (सोनीलिव) तक भारतीय स्टूडियो विश्व-स्तरीय शो और फिल्में बना रहे हैं। इक्कीस, मंजुम्मेल बॉयज, 12वीं फेल या लापता लेडीज जैसी फिल्में उल्लेखनीय हैं। मसला फिल्म निर्माण या कहानी कहने के नए तरीके की जरूरत के बारे में है। यह सब कुछ दशकों में दिखता है। यश चोपड़ा ने 1965 में फिल्म वक्त बनाकर इसे बदल दिया। कई ?सितारों वाली भारत की पहली इस फिल्म में चार समानांतर कहानियां हैं जो अंत में एक जगह मिल जाती हैं। ऐसे दौर में जब कहानियां ज्यादातर सीधी-सादी होती थीं और दो किरदारों के घिसे-पिटे स्वरूप पर आधारित होती थीं उस समय वक्तभीड़ से अलग हटकर एक बड़ी हिट बन गई। जल्द ही कई सितारों वाली बिछुड़ने और मिलने के फॉमूर्ले पर आधारित फिल्मों का चलन शुरू हो गया। 1980 के दशक में गोविंद निहलानी की अर्ध सत्य या कुंदन शाह की जाने भी दो यारो जैसी फिल्मों में यथार्थवाद कहानी कहने का तरीका बन गया। उनका लहजा और अंदाज उस दौर की औसत दर्जे की फिल्मों की तुलना में कहीं अधिक यथार्थवादी और वास्तविक था। कहानियां वही थीं- दोस्ती, न्याय, प्यार और परिवार। अब बात करते हैं 2001 के बाद की फिल्मों की यानी उस साल फरहान अख्तर की आई फिल्म दिल चाहता है के बाद के एक दशक की। फिल्मों का रूप-रंग नया हो गया, कहानियां ज्यादा वास्तविक लगने लगीं और निर्माण का स्तर बढ़ गया।

तेल, गैस के बाद इन्टरनेट पर ग्रहण लग सकती है

डिजिटल दुनिया रफ्तार पर लग सकती ब्रेक, हैईरान, होर्मुज और इंटरनेट की अदृश्य जंग के मड़राते काले बादल...

विश्व व्यवस्था के बदलते परिदृश्य में अब शक्ति की परिभाषा केवल सैन्य क्षमता या आर्थिक पहलु तक सीमित नहीं रह गई है,बल्कि यह धीरे-धीरे डिजिटल ढाँचे और डेटा नियंत्रण तक फैलती जा रही है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के मध्य एक नई आशंका ने वैश्विक मंच पर विचार - विमर्श को जन्म दिया है - क्या ईरान ऐसी स्थिति उत्पन्न कर सकता है,जिससे विश्व की इंटरनेट व्यवस्था प्रभावित हो जाए? यह प्रश्न केवल एक सनसनीखेज संभावना नहीं,बल्कि उस जटिल वैश्विक ताने-बाने का अंहम हिस्सा है,जिसमें मानव समुदाय का आधुनिक जीवन पूरी तरह उलझा हुआ है। विगत दिनों में होर्मुज जलडमरू मध्य को विश्व ऊर्जा आपूर्ति के सबसे संवेदनशील मार्ग के रूप में देखा जाता रहा है,जहाँ से होकर वैश्विक तेल व्यापार का एक बड़ा हिस्सा गुजरता है। वैश्विक राजनीतिक जानकारों का कहना है कि बदलते समय के साथ यह क्षेत्र केवल ऊर्जा का मार्ग नहीं रहा, बल्कि यह डिजिटल दुनिया की एक महत्वपूर्ण धुरी बन चुका है। समुद्र की गहराइयों में बिछी फाइबर- ऑप्टिक केबल्स,जो आँखों से ओझल रहती हैं,वास्तव में वैश्विक इंटरनेट की जीवनरेखा हैं। इन्हीं के माध्यम से दुनिया के अलग-अलग हिस्सों के बीच डेटा का निरंतर प्रवाह बना रहता है। लाल सागर और होर्मुज जैसे क्षेत्र इस दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं,क्योंकि यहाँ से गुजरने वाली केबल्स यूरोप,एशिया और अफ्रीका को जोड़ती हैं। इन केबल्स के जरिए ही वीडियो कॉल, ईमेल,बैंकिंग लेन-देन, शेयर बाजार की गतिविधियाँ और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित सेवाएं संचालित होती हैं। यह पूरी व्यवस्था इतनी सहज लगती है कि सामान्यतः हम इसकी जटिलता और संवेदनशीलता को समझ ही नहीं पाते। इंटरनेट को लेकर यह धारणा कि इसे एक झटके में बंद किया जा सकता है,तकनीकी रूप से पूरी तरह सही नहीं है। वैश्विक इंटरनेट एक विकेंद्रीकृत प्रणाली है, जिसमें सैकड़ों केबल्स और हजारों सर्वर जुड़े हुए हैं। इसलिए किसी एक देश के लिए पूरी दुनिया का इंटरनेट ठप कर देना संभव नहीं है। फिर भी, यह भी उतना ही सच है कि यदि किसी महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग पर स्थित केबल्स को नुकसान पहुंचता है,तो इसका असर व्यापक स्तर पर दिखाई दे सकता है। इंटरनेट पूरी तरह बंद न भी हो,तो उसकी गति धीमी हो सकती है,सेवाओं में बाधा आ सकती है और वैश्विक संचार व्यवस्था अस्थिर हो सकती है। भारत जैसे विकासशील देश,जो तेजी से डिजिटल अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहे हैं,इस प्रकार के किसी भी व्यवधान से सीधे प्रभावित हो सकते हैं। आज बैंकिंग,शिक्षा,स्वास्थ्य,व्यापार और सरकारी सेवाओं का बड़ा हिस्सा इंटरनेट पर निर्भर हो चुका है। यदि डेटा के प्रवाह में किसी प्रकार की बाधा आती है,तो इसका असर केवल तकनीकी नहीं,बल्कि सामाजिक और आर्थिक भी होगा। आम नागरिक को इसका अनुभव इंटरनेट की धीमी गति,ऑनलाइन सेवाओं में देरी और डिजिटल लेन-देन में असुविधा के रूप में होगा,जबकि बड़े स्तर पर यह आर्थिक गतिविधियों को भी प्रभावित कर सकता है। इस पूरे परिदृश्य में वैश्विक टेक कंपनियों की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो जाती है। एमजॉन,माईको साफ्ट और गुगल जैसी कंपनियों ने पश्चिम एशिया के विभिन्न देशों में बड़े डेटा सेंटर स्थापित किए हैं,जो वैश्विक नेटवर्क का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। इन केंद्रों के माध्यम से डेटा का आदान-प्रदान होता है और विभिन्न महाद्वीपों के बीच डिजिटल संपर्क बना रहता है। यदि समुद्री केबल्स प्रभावित होती हैं,तो इन कंपनियों की सेवाओं पर भी असर पड़ सकता है,जिसका प्रभाव दुनिया भर के उपयोगकताओं तक पहुंचेगा। आज की भू-राजनीति में यह स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है कि डेटा और कनेक्टिविटी भी एक प्रकार की शक्ति बन चुके हैं। जिस प्रकार ऊर्जा आपूर्ति को नियंत्रित करके वैश्विक स्तर पर प्रभाव डाला जाता है,उसी प्रकार डेटा प्रवाह को प्रभावित करके भी दबाव बनाया जा सकता है। होर्मुज और लाल सागर जैसे क्षेत्र अब केवल भौगोलिक महत्व के नहीं रहे, बल्कि वे रणनीतिक दृष्टि से ह्यडिजिटल चोक-पॉइंटह्ल बनते जा रहे हैं,जहाँ किसी भी प्रकार की अस्थिरता का असर दूर-दूर तक महसूस किया जा सकता है। हालांकि इस संभावित खतरे को देखते हुए दुनिया पूरी तरह असहाय नहीं है। वैकल्पिक समुद्री मार्गों का विकास,सैटेलाइट आधारित इंटरनेट सेवाओं का विस्तार और डेटा नेटवर्क को अधिक लचीला बनाने के प्रयास लगातार किए जा रहे हैं। वही वर्तमान के वैश्विक ढांचा अभी भी इन प्रमुख मार्गों पर काफी हद तक निर्भर है। संक्षेप का सार यह है कि ह्लईरान पूरी दुनिया का इंटरनेट बंद कर देगाह्व जैसी बातें भले ही अतिशयोक्ति हों,लेकिन इनके पीछे छिपी चेतावनी को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यह हमें यह समझने का अवसर देती है कि आधुनिक दुनिया कितनी गहराई से आपस में जुड़ी हुई है और किस प्रकार एक क्षेत्र की अस्थिरता का प्रभाव वैश्विक स्तर पर पड़ सकता है। आज आवश्यकता है एक संतुलित और दूरदर्शी दृष्टिकोण की, जिसमें तकनीकी समझ, कूटनीतिक संतुलन और राष्ट्रीय हितों का समन्वय हो। आने वाले समय में शक्ति का स्वरूप और भी बदलने वाला है,उस समय वही देश आगे होंगे,जो न केवल अपनी सीमाओं की रक्षा करेंगे,बल्कि अपनी डिजिटल संरचना को भी सुरक्षित और मजबूत बनाए रखेंगे। वैश्विक राजनीतिक के मामले पर पैनी नजर रखने वाले जानकारों का कहना है कि अगर ईरान - इसाईल-अमेरिका के युद्ध विराम नही होता तो डिजिटल दुनिया रफ्तार पर लग सकती है। ब्रेक,हैईरान,होर्मुज और इंटरनेट की अदृश्य जंग के मड़राते काले बादल ना केवल भारत जैसे विकासशील देश बल्कि सम्पूर्ण विश्व को प्रभावित कर सकती है।

धर्मक्रांति का विलक्षण प्रयोग है योगक्षेम वर्ष

ललित गर्ग

साररूप में यही कहा जा सकता है कि योगक्षेम वर्ष केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि एक विचार है; केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक आंदोलन है; केवल एक वर्ष नहीं, बल्कि एक युग परिवर्तन की शुरूआत है। यह वास्तव में धर्म क्रांति के नए अध्याय का आधार है, जो मनुष्य को बाहर से भीतर की यात्रा की ओर ले जाने का प्रयास कर रहा है। आचार्य श्री महाश्रमण एवं साध्वीप्रमुखा विश्रुतविभा के संचेतन पुरुषार्थ की सार्थकता इसी में है कि इनके मार्गदर्शन में हम प्रगति की महती मंजिलें तय करते हुए चैतन्य जागरण के नये आयाम में प्रवेश करें। यदि यह प्रयास सफल होता है, तो निश्चित रूप से आने वाला समय आध्यात्मिक जागरण, अहिंसा, शांति और प्रेम का समय होगा, और यही इस योगक्षेम वर्ष की सबसे बड़ी सार्थकता और सफलता होगी।

आज का युग विज्ञान, तकनीक और भौतिक प्रगति का युग माना जाता है, लेकिन इसी के साथ यह युग तनाव, असंतोष, हिंसा, युद्ध और मानसिक अशांति का भी युग बन गया है। मनुष्य ने बाहर की दुनिया को जीत लिया, लेकिन अपने भीतर की दुनिया को जीत नहीं पाया। उसने साधन बना लिये, लेकिन साधना भूल गया; उसने सुविधा पा ली, लेकिन शांति खो दी। ऐसे समय में यदि कोई आध्यात्मिक आंदोलन मनुष्य को अपने भीतर की ओर लौटने का मार्ग दिखाता है, तो वह केवल धार्मिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि धर्म क्रांति का आधार बन जाता है। इसी संदर्भ में जैन धर्म एवं दर्शन की तप, त्याग, साधना और अहिंसा की महान परंपरा में एवं महान् संत आचार्य श्री महाश्रमण के सान्निध्य में मनाया जा रहा योगक्षेम वर्ष वास्तव में धर्म क्रांति के नए अध्याय का आधार बनता दिखाई देता है। भारत की धरती पर यह एक ऐसा वर्ष मनाया जा रहा है, जो न संयुक्तराष्ट्र संघ द्वारा घोषित है न किसी राजनीतिक संगठन द्वारा प्रेरित है और न किसी महान पुरुष की स्मृति से जुड़ा हुआ है, इस वर्ष को मनाने का उद्देश्य है सर्वांगीण व्यक्तित्व-निर्माण।

मेरी दो दिन की लाडनूं यात्रा एवं योगक्षेम वर्ष में सहभागिता का सार है कि योगक्षेम वर्ष एक बार फिर धर्मसंघ के अभ्युदय का स्वर्णिम अवसर बन रहा है। जिसका उद्देश्य है अप्राप्त की प्राप्ति एवं प्राप्त का संरक्षण। यह अवसर दृष्टि एवं सोच में बदलाव का माध्यम होगा। जो ज्ञान, दर्शन और चारित्र की साधना में गति प्रदान करेगा। अनेक नवीन एवं पुरातन विषयों का तलस्पर्शी ज्ञान, जिससे वक्तृत्व में गंभीरता आएगी। आधुनिक दुनिया में धर्म को विशेषतः जैन धर्म को युगानुरूप प्रस्तुति देने का यह माध्यम बनेगा। योगक्षेम वर्ष के साथ विकास के तीन अर्थ हैं- आगे बढ़ना, रूकना और पीछे मुड़कर देखना। आगे बढ़ना यानी दुनिया के नवीनतम धर्म दर्शनों को आत्मसात करना। रूकना यानी अपनी विरासत को खगोलना। पीछे मुड़कर देखना यानी अपनी परम्परा और दर्शन को जीवंत करना। निश्चित तौर पर जैन धर्म के महान तपस्वी, अनुशासनप्रिय, दूरदर्शी और तेजस्वी आचार्य महाश्रमण के सान्निध्य में आध्यात्मिकता और आधुनिकता का अद्भुत संगम बनी जैन विश्व भारती में आज एक नया आध्यात्मिक इतिहास रचा जा रहा है, आध्यात्मिक प्रशिक्षण की एक नई परंपरा विकसित की जा रही है। यह वास्तव में जैन धर्म का एक अनूठा और संभवतः पहला ऐसा व्यापक प्रयोग है, जिसमें वर्षभर तक साधु-साध्वियों के साथ-साथ श्रावक समाज को भी गहन एवं व्यवस्थित रूप से जैन एवं तेरापंथ दर्शन, अध्यात्म, योग, ध्यान, स्वाध्याय, संयम और जीवन मूल्यों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

जैन, बौद्ध और वैदिक तीनों ही परंपराओं में योगक्षेम शब्द प्रयुक्त हुआ है। यह विशेष अर्थवत्ता का संवाहक है। तेरापंथ

धर्मसंघ ने इसे नया संदर्भ दिया है। प्रज्ञा या अन्तर्दृष्टि के जागरण से अनुबंधित किया है। योगक्षेम वर्ष का अर्थ भी अत्यंत गहरा और व्यापक है। योग का अर्थ केवल योगासन या शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि आत्मसंयम, ध्यान, साधना, तप, स्वाध्याय, अनुशासन और आत्मजागरण है। क्षेम का अर्थ है आत्मकल्याण, मानसिक शांति, संतुलन, सुरक्षा और आध्यात्मिक उन्नति। इस प्रकार योगक्षेम वर्ष का उद्देश्य है- व्यक्ति के भीतर योग अर्थात् आत्मसंयम और साधना का विकास हो तथा उसके जीवन में क्षेम अर्थात शांति, संतोष और आध्यात्मिक कल्याण स्थापित हो। जब व्यक्ति का जीवन संतुलित और शांत होगा, तभी समाज में शांति आएगी और जब समाज शांत होगा, तभी विश्व में शांति संभव होगी। आचार्य तुलसी के समय में भी साधना, योग और आध्यात्मिक जागरण से जुड़े इस योगक्षेम वर्ष की विशेष आयोजना हुई थी। उस समय के प्रयोगों की सफलता और सार्थकता को देखते हुए अब उसी परंपरा को नए स्वरूप में पुनः प्रारंभ किया गया है। यह परंपरा और नवाचार का सुंदर समन्वय है, जहाँ पुरानी साधना परंपरा आधुनिक धर्म-समाज की आवश्यकताओं के अनुसार नए रूप में सामने आ रही है। यही जीवंत धर्म की पहचान है कि वह समय के साथ अपने स्वरूप को समाज के हित में विकसित करता रहे।

आज विश्व जिस दौर से गुजर रहा है, वह अत्यंत चिंताजनक है। दुनिया के अनेक हिस्सों में युद्ध, आतंकवाद, हिंसा, असहिष्णुता, मानसिक तनाव, अवसाद, पारिवारिक विघटन और पर्यावरण संकट जैसी समस्याएँ बढ़ती जा रही हैं। विज्ञान और तकनीक इन समस्याओं का पूर्ण समाधान नहीं दे सकते, क्योंकि ये समस्याएँ बाहरी नहीं, बल्कि मनुष्य के मन से जुड़ी हुई हैं। जब तक मनुष्य के भीतर शांति नहीं होगी, तब तक बाहर शांति संभव नहीं है। इसलिए आज दुनिया को हथियारों से ज्यादा ध्यान की जरूरत है, प्रतिस्पर्धा से ज्यादा करुणा की जरूरत है, और भौतिकता से ज्यादा आध्यात्मिकता की जरूरत है। योगक्षेम वर्ष इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो मनुष्य को अपने भीतर की यात्रा करने के लिए प्रेरित करता है। योगक्षेम वर्ष के माध्यम से संदेश दिया जा रहा है कि धर्म केवल सुनने की चीज नहीं, बल्कि जीवन में धारण करने एवं जीवन को बदलने की चीज है; धर्म केवल मानने की चीज नहीं, बल्कि जीने की चीज है। यदि व्यक्ति अपने जीवन में थोड़ा संयम, थोड़ा ध्यान, थोड़ा स्वाध्याय, थोड़ा त्याग और थोड़ा प्रेम जोड़ ले, तो उसका जीवन स्वयं बदल सकता है। यही छोटा परिवर्तन आगे चलकर समाज में बड़ा परिवर्तन ला सकता है। इसलिए योगक्षेम वर्ष वास्तव में व्यक्ति परिवर्तन से समाज परिवर्तन और समाज परिवर्तन से राष्ट्र एवं विश्व परिवर्तन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

योगक्षेम वर्ष के कार्यक्रमों को 'प्रज्ञापर्व' नाम से अभिहित किया गया क्योंकि प्रज्ञा का जागरण इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य था। 'पण्णा समिक्खए' इस आगम सूक्त को प्रतीक के रूप में रखा गया। इस विलक्षण प्रयोग एवं प्रशिक्षण के पीछे पूज्य आचार्य श्री महाश्रमण का लक्ष्य या संकल्प है-'चतुर्विध धर्मसंघ के व्यक्तित्व का निर्माण करना, उनकी बौद्धिक क्षमता को बढ़ाना, भावनात्मक विकास करना, स्वभाव-परिवर्तन की कला सिखाना और प्रायोगिक जीवन जीना सिखाना, एक वाक्य में कहा जाए तो आध्यात्मिक वैज्ञानिक व्यक्तित्व का निर्माण करना।' पूरे वर्ष प्रशिक्षणार्थी को अनेक विषयों के ज्ञान के साथ योगासन, ध्यान, कायोत्सर्ग, जप, अनुप्रेक्षा, मंत्र साधना आदि के प्रयोग भी कराए जा रहे हैं। यदि मनुष्य अहिंसा को अपनाए, तो युद्ध समाप्त हो सकते हैं; यदि अनेकांत को अपनाए, तो विवाद समाप्त हो सकते हैं; यदि अपरिग्रह को अपनाए, तो आर्थिक और पर्यावरण संकट कम हो सकते हैं। इस प्रकार जैन धर्म का दर्शन केवल धार्मिक दर्शन नहीं, बल्कि विश्व शांति का दर्शन है, और योगक्षेम वर्ष उसी दर्शन को व्यवहार में उतारने का प्रयास है।

आचार्य श्री महाश्रमण की दूरदर्शी सोच, उनका अनुशासन, उनका साधना-प्रधान जीवन और समाज को आध्यात्मिक दिशा देने का उनका प्रयास वास्तव में अद्वितीय है। उन्होंने धर्म को केवल परंपरा तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे जीवन और समाज से जोड़ा। समय को बांधने की अद्भुत खूबी है उनमें। कम समय में अधिक काम। वह भी इतनी सहजता और निर्भरता से सम्पादित कर लेने की सामर्थ्य, उनकी कार्य व्यस्तता कभी व्यग्रता में नहीं बदलती। यह सब इसीलिए हो सकता है कि उनकी प्रत्येक प्रवृत्ति निवृत्ति से निथर कर आती है। उनकी क्रियाशीलता आंतरिक स्थिरता स्थितप्रज्ञता से अभिनिःसृत होती है। उन्होंने साधना को केवल साधु-साध्वियों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि श्रावक समाज तक पहुँचाने का प्रयास किया। योगक्षेम वर्ष उसी दूरदृष्टि और आध्यात्मिक सोच का परिणाम है, जो आने वाले समय में जैन धर्म ही नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध हो सकता है। वास्तव में योगक्षेम वर्ष को जैन धर्म के इतिहास में एक स्वर्णिम दौर की शुरूआत के रूप में देखा जा सकता है। यह वर्ष साधना का वर्ष है, आत्मजागरण का वर्ष है, संयम का वर्ष है, चरित्र निर्माण का वर्ष है, और सबसे बढ़कर यह धर्म क्रांति का वर्ष है। यदि इस वर्ष का संदेश जन-जन तक पहुँचे, लोग योग, ध्यान, संयम, अहिंसा, शांति और प्रेम को अपने जीवन में अपनाएँ, तो समाज में एक नया परिवर्तन आ सकता है। तब धर्म केवल मंदिरों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में दिखाई देगा।

साररूप में यही कहा जा सकता है कि योगक्षेम वर्ष केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि एक विचार है; केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक आंदोलन है; केवल एक वर्ष नहीं, बल्कि एक युग परिवर्तन की शुरूआत है। यह वास्तव में धर्म क्रांति के नए अध्याय का आधार है, जो मनुष्य को बाहर से भीतर की यात्रा की ओर ले जाने का प्रयास कर रहा है। आचार्य श्री महाश्रमण एवं साध्वीप्रमुखा विश्रुतविभा के संचेतन पुरुषार्थ की सार्थकता इसी में है कि इनके मार्गदर्शन में हम प्रगति की महती मंजिलें तय करते हुए चैतन्य जागरण के नये आयाम में प्रवेश करें। यदि यह प्रयास सफल होता है, तो निश्चित रूप से आने वाला समय आध्यात्मिक जागरण, अहिंसा, शांति और प्रेम का समय होगा, और यही इस योगक्षेम वर्ष की सबसे बड़ी सार्थकता और सफलता होगी।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

रांझी संभाग में बकायादारों पर लगातार कार्रवाई जारी, एक दुकान सील और कटे नल कनेक्शन, की गई कुर्की की कार्यवाही

अधिभार में छूट का लाभ लेने करदाताओं के पास अब मात्र 8 दिन शेष, 1 अप्रैल से अधिभार होगा दुगना

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के निदेर्शानुसार रांझी संभाग क्रमांक 10 ने राजस्व वसूली अभियान में तेजी लाते हुए आज बड़ी कार्रवाई की है। लंबे समय से संपत्तिकर और अन्य शुल्कों का भुगतान न करने वाले बड़े बकायादारों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए विभाग ने तालाबंदी और कनेक्शन काटने जैसी कार्रवाई की गयी। अपर आयुक्त श्रीमती अंजू सिंह ने बताया कि नगर निगम की टीम ने विभिन्न वार्डों में घूमकर बकायादारों को चेतावनी दी और मौके पर डॉ. भीमराव अंबेडकर वार्ड में बलवंत राज भसीन पर 2,05,046 रुपए बकाया होने के कारण उनकी दुकान में तालाबंदी की कार्रवाई की गई। गोकलपुर वार्ड में टैक्स जमा न करने पर एक नल कनेक्शन काटा गया। कई वार्डों में बड़े बकायादारों के घरों/प्रतिष्ठानों पर 3 दिवसीय नोटिस पोस्टर चस्पा किए गए हैं, यदि तीन दिनों के भीतर भुगतान नहीं किया गया, तो कुर्की की कार्रवाई की जाएगी। अपर आयुक्त श्रीमती अंजू सिंह ने बताया कि शहीद भगत सिंह वार्ड में गया प्रसाद साहू पर 19,748, अब्दुल रज्जाक पर 31,319 रुपए, गोकलपुर वार्ड में बुद्धू सिंह कुर्मी पर 24,896 रुपए, चंद्रशेखर आजाद वार्ड में त्रिवेणी बाई पर 48,957, जीवन लाल पर 40,792 रुपए, एवं लाला लाजपत राय वार्ड में राकेश यादव पर 63,476 एवं राम चन्द्र यादव पर 54,158 बकाया होने पर कुर्की कार्रवाई का नोटिस चस्पा किया गया। कार्रवाई के समय अपर आयुक्त श्रीमती अंजू सिंह के साथ संभागीय अधिकारी नरेश शर्मा, राजस्व निरीक्षक नरेन्द्र सिंह राजपूत, वार्ड करसंग्रहिता सविता सिंह कुशवाहा सहित विभाग की पूरी टीम और नोटिस सर्वर उपस्थित रहे। निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे अपने बकाया करों का भुगतान समय पर करें और अप्रिय कार्रवाई से बचते हुए शहर की प्रगति में अपना बहुमूल्य योगदान दें। उन्होंने कहा कि अब अधिभार में छूट का लाभ लेने करदाताओं के पास मात्र 8 दिन शेष हैं, इसके पश्चात 1 अप्रैल से अधिभार दुगना कर दिया जायेगा।

24 घण्टे में किराया जमा नही करने पर उप-किरायेदारी पर दी गई दुकानों का आवंटन होगा निरस्त

जबलपुर। शहर के बुनियादी ढांचे और जन-सुविधाओं को बेहतर बनाने की दिशा में नगर निगम ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों का सम्मान करते हुए अब ऑर्डिनेंस फैक्ट्री नगर निगम को सर्विस चार्ज का भुगतान करेगी। इसके साथ ही, 31 मार्च की समय सीमा को देखते हुए निगम ने बकाया करों और दुकान किरायों की वसूली भी सख्ती से करेगा।

ऑर्डिनेंस फैक्ट्री से मिली बड़ी सहमति

निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के कुशल निर्देशन में निगम के वरिष्ठ अधिकारियों अपर आयुक्त अरविंद शाह, श्रीमती अंजू ठाकुर, प्रभारी कॉल सेंटर देवेंद्र पटैल ने ऑर्डिनेंस फैक्ट्री के महाप्रबंधक से सकारात्मक चर्चा की। महाप्रबंधक ने जानकारी दी है कि सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के पालन में पुणे स्थित मुख्यालय से पत्राचार शुरू कर दिया गया है। बजट एलोकेशन की प्रक्रिया पूरी होते ही सर्विस चार्ज की राशि निगम को हस्तांतरित कर दी जाएगी, जिससे शहर के विकास कार्यों को नई ऊर्जा मिलेगी।

व्यापारियों से संवाद और समय सीमा

निगमायुक्त ने नया बाजार के व्यापारियों के साथ बैठक कर स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि 31 मार्च से पूर्व सभी प्रकार के बकाया करों का भुगतान सुनिश्चित करें। समय पर कर अदायगी न केवल एक जिम्मेदार नागरिक का कर्तव्य है, बल्कि यह शहर की प्रगति में भी सीधा योगदान देता है।

बकायादारों पर सख्त कार्रवाई: दुकानों में तालाबंदी

निगम स्वामित्व की दुकानों का किराया जमा न करने वालों के खिलाफ विभाग ने कड़ा रुख अपनाया है, स्टेडियम स्थित दुकानों पर किराया जमा न होने की स्थिति में तालाबंदी की कार्यवाही की गई है। उप-किरायेदारी पर दी गई दुकानों के लिए 24 घंटे का अल्टीमेटम दिया गया है। किराया जमा न होने या नियमों के उल्लंघन की स्थिति में आवंटन तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया जाएगा। कार्यवाही के दौरान बाजार अधीक्षक राजेन्द्र कुमार दुबे, नोडल अधिकारी ट्रेड लायसेंस शाखा के साथ टीम में के.के. तिवारी, राम स्वरूप रजक, मनोज श्रीवास्तव, अजय पसेरिया, संदीप जोशी, अमित पाण्डेय, वैंकट एवं बिभाग के समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे।

निगम की अपील

निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने सभी सम्मानित दुकानदारों और करदाताओं से 31 मार्च के पूर्व समस्त बकाया करों की राशि जमा कर निगम की अप्रिय कार्यवाही से बचने अपील की है। उन्होंने अनुरोध कर कहा है कि व्यापारी और करदाता अपने निकटतम संभागीय कार्यालयों या मुख्यालय स्थित कैश काउंटर पर आकर सुबह 10:00 बजे से शाम 07:00 बजे तक बकाया करों की राशि जमा कर सकते हैं।

जिहादी युवक के खिलाफ कठोर कार्रवाई करो, सौंपा ज्ञापन

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

आधारताल क्षेत्र में मुस्लिम जिहादी युवक के द्वारा हिंदू लड़की को जबरन धर्मांतरण एवं देह व्यापार में धकेल कर उसे बेचा गया इस विरोध में सोमवार को सकल हिंदू संगठन के द्वारा आधारताल थाने में थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपा एवं कठोर कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया, नहीं तो जल्द ही थाने का घेराव और उग्र आंदोलन किया जाएगा। थाना प्रभारी ने जल्द ही कार्रवाई का आश्वासन दिया एवं पूरे जबलपुर क्षेत्र में सभी दुकानदारों को यह हिदायत दी गई कि वह अपना असली नाम दुकान पर लिखें जिससे ग्राहक भ्रमित न हों और हिन्दू समाज की बहन बेटियां बच सके इनके जिहाद में न फँसे। इस दौरान योगेश अग्रवाल, मुकेश राजक आदि उपस्थित रहे।

पिसपायू के अधिवक्ता नियुक्त हुए एसएस ठाकुर

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

पिछड़ा समाज पार्टी यूनाइटेड के अध्यक्ष डॉ. बृजेन्द्र सिंह यादव ने वरिष्ठ अधिवक्ता साहिब सिंह ठाकुर को पिछड़ा समाज पार्टी यूनाइटेड मध्य प्रदेश हेतु वित्तीय संबंधित कार्यों के लिए बतौर अधिवक्ता नियुक्त किया है। गौरतलब है कि श्री ठाकुर अनेक सामाजिक संस्थाओं से जुड़े हुए हैं और समाज सेवा के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। शुभ चिंतकों ने उन्हें बधाइयां प्रेषित की है।

मांझी समाज ने निकाली भगवा झंडा शोभायात्रा

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

भगवा झंडा शोभा यात्रा के संयोजक मानव घनघोरिया के नेतृत्व में निकाली गई नवरात्रि की पंचमी पर भगवा झंडा शोभा यात्रा का एवं माझी समाज द्वारा निकाली गई शोभा यात्रा का बड़े फुहारा स्थित खुन्नेलाल एंड कंपनी आयुर्वेदिक दवाई की दुकान पर जमुना प्रसाद अग्रवाल एडवोकेट ट्रस्ट के द्वारा पूजन अर्चन किया गया एवं पुष्प वर्षा मीठी लस्सी पिलाकर स्वागत किया। इस अवसर पर प्रचारक सुरेंद्र मणि संस्कार अग्रवाल श्याम मनोहर पटेल सुरेश विश्वकर्मा कमलेश अग्रहरि आशीष त्रिवेदी अब्बू मोती कश्यप छन्नू राम पटेल विनोद दीवान विनोद विश्वकर्मा आदि उपस्थित थे।

होमसाइंस कॉलेज रोड़ स्थित रोल्स मेनिया का खाद्य पंजीयन निलंबित

एक ही फ्रीजर में रखे थे वेज और नॉनवेज खाद्य पदार्थ

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

कलेक्टर राघवेंद्र सिंह के निदेशानुसार खाद्य पदार्थों में मिलावट रोकने चलाये जा रहे अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा आज सोमवार को किये गये आकस्मिक निरीक्षण में अली मार्केट होमसाइंस कॉलेज रोड़ शास्त्री ब्रिज स्थित रोल्स मेनिया का कई अनियमितताएं पाये जाने पर खाद्य पंजीयन निलंबित कर दिया गया है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी देवेंद्र दुबे के अनुसार निरीक्षण के दौरान रोल्स मेनिया में वेज तथा नॉन-वेज खाद्य पदार्थों का संग्रहण एक ही फ्रीजर में पाया गया था। इस खाद्य प्रतिष्ठान में एक्सपायर्ड सॉस एवं स्क्वॉश आदि का खाद्य पदार्थों के निर्माण में उपयोग किया जाना भी पाया गया है। इसके अतिरिक्त खाद्य कारोबार कर्ता द्वारा खाद्य पंजीयन में खाद्य कारोबार का संचालन मदनमहल में होना बताकर अन्यत्र स्थान शास्त्री ब्रिज के पास, होमसाइंस कॉलेज रोड़ पर किया जा रहा है। खाद्य सुरक्षा एवं पंजीयन प्राधिकारी ने बताया कि निरीक्षण में खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन तथा प्रतिष्ठान में पायी गई गंभीर अनियमितताओं को देखते हुये तथा लोक स्वास्थ्य के हित में रोल्स मेनिया का खाद्य पंजीयन तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। इसके साथ ही पंजीयन के निलंबन अवधि के दौरान इस प्रतिष्ठान से खाद्य कारोबार पर भी पूर्णतः रोक लगा दी गई है। खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 की धारा 31 के अन्तर्गत खाद्य पंजीयन निलंबन अवधि के दौरान प्रतिष्ठान से खाद्य कारोबार का संचालन पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा।

सुपर क्रिटिकल सिम्युलेटर प्रशिक्षण से निखरे एमपी पावर जनरेटिंग कंपनी के सहायक अभियंता

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड के नवनियुक्त सहायक अभियंता आधुनिक तकनीकी प्रशिक्षण के जरिए और अधिक दक्ष बन रहे हैं। कंपनी के द्वितीय बैच के 11 सहायक अभियंताओं ने राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण संस्थान (एनपीटीआई), नागपुर में छह सप्ताह का विशेष प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में अभियंताओं को थर्मल और हाइडल पावर प्लांट के संचालन एवं संधारण की गहन जानकारी दी गई। विशेष रूप से सुपर क्रिटिकल सिम्युलेटर के माध्यम से उन्हें आधुनिक विद्युत उत्पादन तकनीकों का व्यावहारिक अनुभव कराया गया। प्रशिक्षण के दौरान अभियंताओं ने महाराष्ट्र के चंद्रपुर और कोराडी स्थित 600-600 मेगावाट क्षमता की सुपर क्रिटिकल यूनिट का दौरा कर वहां की संपूर्ण प्रक्रिया को समझा और तकनीकी ज्ञान अर्जित किया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर एनपीटीआई के निदेशक एसपी धर्माधिकारी ने कहा कि कंपनी के प्रबंध संचालक मनजीत सिंह और डायरेक्टर टेक्निकल सुबोध निगम के मार्गदर्शन में केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (उएअ) के प्रावधानों के अनुरूप प्रशिक्षण पाठ्यक्रम तैयार किया गया है। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण में अभियंताओं को ताप एवं जल विद्युत गृहों के संचालन की बारीकियों के साथ नई तकनीकों के सैद्धांतिक और व्यावहारिक पहलुओं से भी अवगत कराया गया। मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन एवं प्रशासन) दीपक कश्यप ने एनपीटीआई का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस समग्र प्रशिक्षण से नवोदित अभियंताओं की तकनीकी नींव मजबूत हुई है। वहीं अतिरिक्त मुख्य अभियंता (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक तिवारी ने अभियंताओं को पावर प्लांट की बेस्ट प्रैक्टिस, दक्षता संवर्धन और कॉर्पोरेट एथिक्स की जानकारी देते हुए सफल प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए। कार्यक्रम का संचालन एनपीटीआई के सहायक निदेशक शशांक शुक्ला ने किया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम भविष्य में ऊर्जा उत्पादन क्षेत्र में कुशल मानव संसाधन तैयार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

मैनेजमेंट के अनवांटेड प्रेशर से निर्माणियों में हो रही घटना

व्हीएफजे सुसाइड की निष्पक्ष जॉच एवं दोषियों पर कड़ी की मांग, एसपी के नाम सौंपा ज्ञापन

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

आयुध कारखानों के निगमीकरण के पश्चात प्रायः यह देखने में आ रहा है कि प्रबंधन में बैठे उच्च अधिकारी अपने मातहतों को अनावश्यक तनाव देकर मानसिक प्रताडना देकर उत्पादन एवं रखरखाव के कार्यों को पुरा करने हेतु दबाब बनाते हैं जिसके परिणती स्वरूप वाहन निमार्णी जबलपुर में 22 मार्च को सिविल मैंटेनेंस विभाग में कार्यरत कार्येक्षक सैम्सन मार्टिन ने आत्महत्या कर ली जिसका सुसाईड नोट रांझी पुलिस द्वारा जब्त किया गया है। यहाँ यह भी उल्लेख करना आवश्यक है कि काम के दबाब के चलते विभिन्न निर्माणियों जैसे- आयुध निमार्णी भंडारा, आयुध निमार्णी खमरिया, में भीषण दुर्घटनाएं घटित हुई जिसमें भंडारा में लगभग 10 लोगों को एवं खमरिया में 02 कर्मचारियों को अपने प्राण गंवाने पड़े एवं अन्य निर्माणियों में अवसाद के कारण कर्मचारियों की औसत आयु पर भी प्रभाव पड़ रहा है, कर्मचारी अल्प आयु में मृत्यु को प्राप्त हो रहे हैं। अतः जबलपुर में स्थित ऑल इंडिया डिफेंस एम्पलाईज फेडरेशन से संबद्ध सभी यूनियनों ने यह निर्णय लिया है कि इस दुर्घटना की व्यापक एवं निष्पक्ष जॉच की जाए और जाँच में जो भी जिम्मेदार अधिकारी पाया जाता है उसके विरूद्ध सख्त से सख्त वैधानिक कार्यवाही की जाए, अन्यथा ऑल इंडिया डिफेंस एम्पलाईज फेडरेशन उग्र आंदोलन हेतु बाध्य होगा, जिसकी सम्पूर्ण जबावदेही जिला पुलिस प्रशासन की होगी।

यह रहे उपस्थित : ज्ञापन के दौरान ओएफके यूनियन के अध्यक्ष पुष्पेन्द्र सिंह, महामंत्री सुकेंश दुबे, शरद अलवाल, सुरेश कन्ना, सीमेन्द्र रजक, व्हीएफजे से अमरीश सिंह, नितेश सिंह, जीसीएफ से रोहित यादव, उत्तम विश्वास ओएफके से राकेश दुबे, मनोज साहू, राजेश पटेल, सीओडी से पीके तिवारी, नरेन्द्र विश्वकर्मा, 506 से विकास यादव, भरत बेरिया, संतोष यादव आदि के साथ-साथ सैकड़ों की संख्या में निमार्णी के कर्मचारी उपस्थित थे।

विद्यार्थियों के लिये "चलो बनें आदर्श" कार्यक्रम का शुभारंभ

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

स्कूल शिक्षा विभाग के सहयोग से बीएपीएस स्वामिनारायण संस्था द्वारा जबलपुर जिले के विद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए ह्यचलो बनें आदर्शह्ल कार्यक्रम का आज मानस भवन में आयोजित कार्यक्रम से शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर जिले की विभिन्न विद्यालयों से बड़ी संख्या में आचार्यश्री एवं शिक्षक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जिसमें प्रथम सत्र में कलेक्टर राघवेंद्र सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी, जिला परियोजना समन्वयक योगेश शर्मा एवं बी ए पी एस स्वामिनारायण मंदिर, जबलपुर के कोषाध्यक्ष मुनिदर्शन स्वामी तथा द्वितीय सत्र में विधायक श्री अशोक रोहाणी विधायक एवं भाजपा के नगर श्री रत्नेश सोनकर की उपस्थित थे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में संस्कारों का विकास करना तथा उन्हें मूल्यनिष्ठ शिक्षा प्रदान करना है। कार्यक्रम के अंतर्गत ह्यचलो बनें आदर्शह्ल मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से सभी विद्यालयों को प्रेरणादायी वीडियो उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे विद्यार्थियों के सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास में सहायता मिलेगी। इस प्रोजेक्ट की ट्रेनिंग नेशनल प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर तिलक मोदी द्वारा दी गयी। इस अवसर पर गुजरात के सारंगपुर से पधारे पूज्य ज्ञाननयनदास स्वामी ने ह्यसा विद्या या विमुक्तयेह्ल विषय पर प्रेरणादायी प्रवचन प्रस्तुत किया। उन्होंने शिक्षा के वास्तविक उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए बताया कि सच्ची शिक्षा वही है जो व्यक्ति को संस्कारित और मुक्त बनाए। कार्यक्रम में उपस्थित सभी शिक्षकों को यह मार्गदर्शन प्राप्त हुआ कि बी ए पी एस संस्था द्वारा संचालित इस प्रकल्प के माध्यम से बच्चों के संस्कार निर्माण का कार्य प्रभावी रूप से कैसे किया जा सकता है। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ तथा सभी शिक्षकों ने भारत के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण हेतु संकल्प लिया।

सुनहरे भविष्य की आधारशिला बनेगा ट्रांसलेशन कोर्स

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में पीएम उषा कार्यक्रम के सामाजिक विज्ञान संकाय के द्वारा पांच दिवसीय शॉर्ट टर्म कोर्स ओन ट्रांसलेशन स्टडीज का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम हिंदी से इंग्लिश एवं हिंदी से इंग्लिश भाषा की ट्रांसलेशन की तकनीक एवं व्यावहारिक रूप में ट्रांसलेशन को सरल बनाने के लिए आयोजित किया जा रहा है। प्रथम दिवस कार्यशाला का उद्घाटन सत्र आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो अलकेश चतुर्वेदी (प्राचार्य – प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस महाकोशल कॉलेज जबलपुर एवं अध्यक्ष मध्य प्रदेश टैक्स बुक कमेटी) विशिष्ट अतिथि प्रो. राकेश बाजपेई (वरिष्ठ प्राध्यापक), प्रो. अलका नायक, प्रो.धीरेंद्र पाठक, डॉ. लोकेश श्रीवास्तव सहित कार्यशाला के संयोजक प्रो. विवेक (अध्यक्ष- सामाजिक विज्ञान संकाय) विषय विशेषज्ञ व कार्यक्रम संचालक डॉ देवांशु गौतम सहित विभन्न विभागों के फैकल्टी उपस्थित रहे। सर्वप्रथम अतिथियों ने मां सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया जिसके बाद संयोजक प्रो. विवेक मिश्र ने सभी अतिथियों का शॉल श्रीफल से सम्मान किया तथा डॉ हरीश यादव ने संयोजक प्रो विवेक मिश्र का शॉल श्रीफल से अभिनंदन किया। मंचासीन अतिथियो ने आयोजन की तारीफ करते हुए कहा कि इस तरह का आयोजनों से बच्चों का मनोबल बढ़ता है साथी हिंदी टू इंग्लिश व इंग्लिश टू हिंदी ट्रांसलेशन, भविष्य में ऊंचाई हासिल करने में कारगर सिद्ध होगा। ट्रांसलेशन स्टडीज प्रोग्राम 03 बैचों, जो की राजनीति विज्ञान विभाग, इतिहास विभाग एवं लाइफलोंग लर्निंग विभाग में आयोजित किया जा रहे हैं जिनमे कुल 130 विद्यार्थि सहभागिता कर रहे हैं। उद्घाटन क्षेत्र के बाद तकनीकी सत्र का आयोजन किया गया जिसमें हॉल 1 (राजनीति विज्ञान विभाग) में डॉ. राजश्री कपूर, हॉल 2(इतिहास विभाग) में डॉ अजय शुक्ल, हॉल-3 (लाइफ लांग डिपार्टमेंट) में डॉ आभा पांडे ने विषय विशेषज्ञ के रूप में प्रशिक्षण दिया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में हॉल 1 के समन्वयक डॉ हरीश यादव, डॉ. देवांशु गौतम, हॉल 2 के समन्वयक डॉ अभय सिंह, डॉ. राजुल अग्रवाल व हॉल 3 के समन्वयक डॉ प्रीति पेंडसे, डॉ दीपा वर्मा सहित डॉ तरुणा राठौर, डॉ. हरलीन कौर रूपराह, डॉ आशा रानी, डॉ ए के गिल, डॉ. रणबीर कलसी, डॉ विवेक सिंह, डॉ. आशीष यादव, डॉ. संदीपा उपाध्याय, डॉ मुक्ति मिश्रा, खुशबू सिंह, डॉ. रिचा दुबे डॉ. रंजीता वैष्णव सहित विद्यार्थियों में निखिल कुमार गुप्ता, वेदा सराफ, चांदनी, आदित्य आदि का विशेष सहयोग रहा।

इंसेफेलाइटिस लक्षण देखते ही हो जाएं सचेत

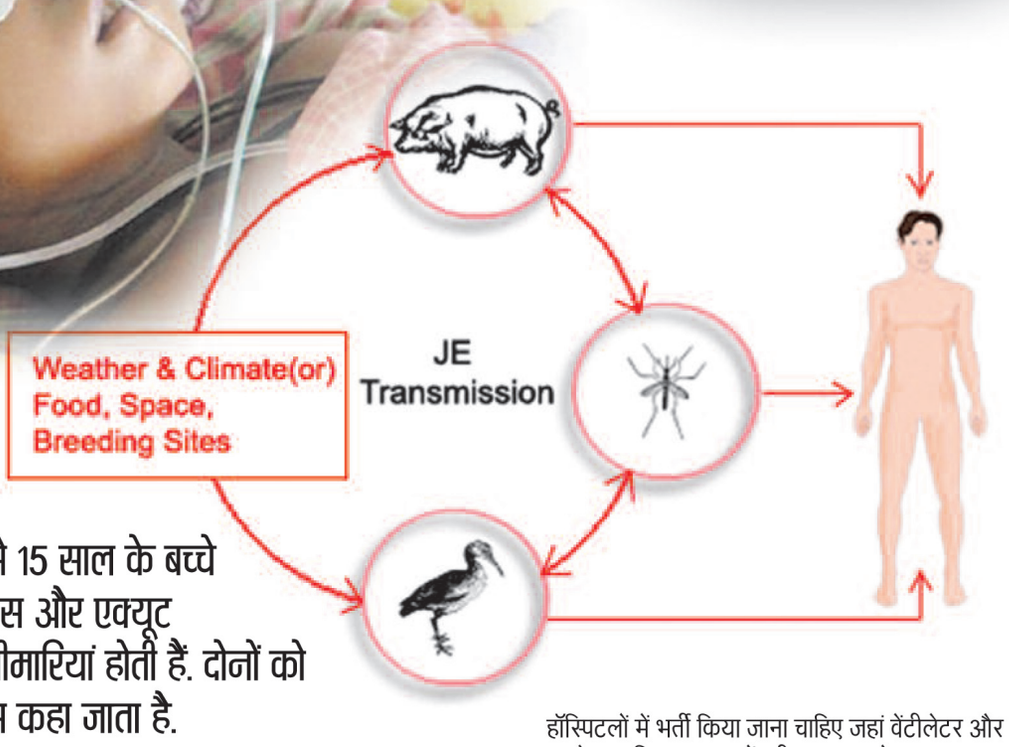

इंसेफेलाइटिस यानी दिमागी बुखार एक खतरनाक बीमारी है. इससे सबसे अधिक शिकार तीन से 15 साल के बच्चे होते हैं. इसमें जापानी इंसेफेलाइटिस और एक्यूट इंसेफेलाइटिस सिंड्रोम नामक दो बीमारियां होती हैं. दोनों को ही सामान्य भाषा में इंसेफेलाइटिस कहा जाता है.

सेफेलाइटिस के कहर का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि पिछले चार दशक में इस बीमारी से बीस हजार से अधिक मौतें हो चुकी हैं. हर साल पांच-छह सौ बच्चे सरकारी रिकॉर्ड में मरते हैं जबकि हकीकत कुछ और ही है. वहीं इस बीमारी से लकवाग्रस्त हुए लोगों का कोई रिकॉर्ड ही नहीं रखा जाता. इंसेफेलाइटिस के सबसे अधिक शिकार तीन से 15 साल के बच्चे होते हैं. यह बीमारी जुलाई से दिसम्बर के बीच फैलती है. सितम्बर-अक्टूबर में बीमारी का कहर सबसे ज्यादा होता है. आंकड़े बताते हैं कि जितने लोग इंसेफेलाइटिस से ग्रसित होते हैं, उनमें से केवल 10 प्रतिशत में ही दिमागी बुखार के लक्षण जैसे झटके आना, बेहोशी और कोमा जैसी स्थिति दिखाई देती है. इनमें से 50 से 60 प्रतिशत मरीजों की मौत हो जाती है. बचे हुए मरीजों में से लगभग आधे लकवाग्रस्त हो जाते हैं और उनके आंख और कान ठीक से काम नहीं करते हैं. जिंदगीभर दौरे आते रहते हैं. मानसिक अपंगता हो जाती है.

बचाव घर को साफ-सुथरा रखें

मच्छरों से बचाव के लिए कीटनाशक का प्रयोग करें. रात में सोते समय मच्छरदानी का प्रयोग करें. इंसेफेलाइटिस रोग पैदा करने वाले मच्छर शाम को ही काटते हैं, इसलिए शाम को बाहर निकलते समय शरीर को ढककर ही निकलने को कहें. बच्चों को इंसेफेलाइटिस का टीका जरूर लगवाएं. इस टीके के तीन डोज होते हैं. यह शून्य से 15 साल तक के बच्चों को लगाया जाता है.

इलाज - इंसेफेलाइटिस के लिए कोई ऐसी दवा नहीं बनी है, जिसे खाने के बाद मरीज ठीक हो जाएं. डॉक्टर लक्षणों को देखकर इलाज करते हैं. बीमारी की जितनी जल्दी जानकारी होती है, मरीज के बचने की संभावना उतनी ही अधिक रहती है. इंसेफेलाइटिस में झटके, दिमाग में संक्रमण, डायरिया, ब्लड प्रेशर और न्यूमोनिया के लिए अलग-अलग दवाइयां दी जाती हैं . इंसेफेलाइटिस के मरीजों को अकसर वेंटीलेटर पर रखने की आवश्यकता पड़ती है. ऐसे में, मरीजों को उन्हीं हॉस्पिटलों में भर्ती किया जाना चाहिए जहां वेंटीलेटर और दूसरे आधुनिक उपकरणों की व्यवस्था हो अन्यथा जान जा सकती है.

कारण - इंसेफेलाइटिस फैलने के स्पष्ट कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है, लेकिन अब तक मुख्य कारणों में साफ-सफाई का अभाव माना जा रहा है. गंदगी की वजह से यह बीमारी एक-दूसरे में फैलती है. यह वायरस और बैक्टीरिया के माध्यम से फैलती है लेकिन जो बीमारी यहां पाई जाती है वह वायरस से फैलती है. जो सूअर और हिरोनस नामक पानी की चिड़िया के शरीर पर पाये जाते हैं. अगर इन्हें काटने के बाद मच्छर किसी मनुष्य को काट लें तो उसे इंसेफेलाइटिस होने की पूरी आशंका होती है. दूषित पानी से भी इस बीमारी के वायरस लारवा के रूप में फलते-फूलते हैं.

लक्षण - शुरुआत के 15 दिनों तक आम फ्लू जैसे रहना. बुखार, सिर दर्द, उल्टी, डायरिया और जुकाम आदि की शिकायत. बाद में मरीज को झटके आना, बेहोशी छा जाना. मेमोरी लॉस और व्यावहारिक परिवर्तन होना. कुछ मरीजों को लकवा मार जाना.

देर से सोना और कम सोना मोटापे को दावत

देर से सोने और कम नींद लेने वालों के लिए सावधान हो जाने की खबर है क्योंकि ऐसा करने से वे मोटापे का शिकार हो सकते हैं. अमेरिकी शोधकर्ताओं ने पाया कि देर से और कम सोने वाले युवा लोगों के मोटापे की चपेट में आने की आशंका बहुत ज्यादा होती है क्योंकि वे देर रात के समय में कैलोरी का अधिक उपभोग करते हैं.एक अध्ययन में यह बात सामने आई है. पेन्सिलवेनिया विश्व विद्यालय में यह अध्ययन किया गया है. इसमें 225 स्वस्थ लोगों की शामिल किया गया जिनकी उम्र 22 से 50 साल के बीच थी. अध्ययन में पाया गया कि सिर्फ चार घंटे की नींद लगातार पांच रातों तक लेने वालों का वजन उन लोगों के मुकाबले ज्यादा बढ़ा जिन्होंने 10 घंटे की नींद ली. शोध में शामिल आंद्रिया स्पैथ का कहना है, ''पहले के अध्ययनों में भी यह कहा गया था कि कम सोने और वजन बढ़ने का संबंध होता है. परंतु हम इस अध्ययन में इससे हैरान रह गए कि कम सोने और देर से सोने वालों का वजन इतना अधिक बढ़ गया.''

सावधान!

खामोश हत्यारा है खर्राटा

नींद में खर्राटे आना, सोने पर सांस रुकना, दिन में ऊंघते रहना, थकान महसूस करना ये सभी लक्षण स्लीप एपनिया के हो सकते हैं. नींद में खर्राटे आना, सोने पर सांस रुकना या बेचैनी महसूस करना, दिन में अधिक नींद आना या लगातार ऊंघते रहना, दिन में थकान महसूस करना, सिरदर्द और सिर का भारी बने रहना, एकाग्रता की कमी और चिड़चिड़ापन, उदासीनता या अवसाद. ये सभी लक्षण स्लीप एपनिया के हो सकते हैं. हृदय रोग विशेषज्ञ बताते हैं कि यह घातक बीमारी है. यह एक आम समस्या है, लेकिन दुर्भाग्य से आम लोगों में इसके बारे में जानकारी का बहुत अभाव है. क्या है खर्राटा सोते समय शरीर की मांसपेशियों का लचीलापन अपेक्षाकृत बढ़ जाता है. यह प्रक्रिया श्वास-नली को खुला बनाए रखनेवाली मांसपेशियों में भी होती है.

जब मांसपेशियों का यह लचीलापन एक स्तर से ज्यादा हो जाता है, तो श्वास-नली संकीर्ण हो जाती है. सांस लेने के दौरान खड़खड़ाहट की आवाज आने लगती है. यही आवाज खर्राटे के नाम से जानी जाती है. यह प्रक्रिया कुछ और बढ़ती है तो श्वास-नली पूरी तरह अवरुद्ध हो जाती है. इसके परिणामस्वरूप कई बार सांस रुक जाती है और शरीर को आवश्यक ऑक्सीजन मिलना बंद हो जाता है. यह रुकावट दस सेकंड या उससे ज्यादा समय के लिए भी हो सकती है. यह प्रक्रिया रात भर में सैकड़ों बार लगातार होती रहती है. इसके फलस्वरूप दिमाग, हृदय, गुर्दा, लीवर, पाचनतंत्र, जननतंत्र आदि अंग ऑक्सीजन की कमी से त्रस्त रहते हैं. ऑक्सीजन की कमी का सीधा परिणाम होता है कि नींद सुचारू रूप से पूरी नहीं हो पाती और दिन भर थकान, ऊंघ, सिरदर्द, चिड़चिड़ापन, एकाग्रता की कमी आदि महसूस करते हैं. घबराएं नहीं, इलाज कराएं. यह बीमारी लाइलाज नहीं है. इसकी चिकित्सा सहज एवं सुगम है. इसके लिए जरूरी है कि अनुभवी चिकित्सक को समस्या से अवगत कराया जाए. इलाज के दौरान बताए चिकित्सकीय निर्देशों का सावधानी से पालन करें. छोटी सी मशीन सीपैप का उपयोग सोते समय करने से भी इस बीमारी से छुटकारा पाया जा सकता है. इसके उपयोग से पहले अनुभवी चिकित्सक द्वारा जांच एवं उनकी सलाह अवश्य लेनी चाहिए.

इन्हें भी आजमाएं - वजन नियंत्रित रखें, अधिक मोटापा भी हो सकता है.

बीमारी का कारण - देर रात तक टीवी नहीं देखें, सोने से एक या आध घंटा पहले ही टीवी बंद कर दें. देर रात तक चाय-कॉफी का सेवन न करें. सोने के लिए बिस्तर की साफ-सफाई जरूरी है, बिस्तर आरामदायक हो. अधिक मोटा तकिये का उपयोग न करें.

नीम की पत्तियां कैंसर में कारगर

कोलकाता के चितरंजन नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट के वैज्ञानिकों ने नीम की पत्तियों से प्रारम्भिक परीक्षण में सफलता पाई है. भारतीय डॉक्टरों का दावा है कि नीम से कैंसर का इलाज भी संभव है. चूहों पर प्रयोग के बाद उनका उत्साह और बढ़ा है. नीम के औषधीय गुण तो सदियों से जगजाहिर हैं हीं. अब तक इसकी पत्तियों का इस्तेमाल रोजमर्रा के जीवन में होने वाली छोटी-मोटी बीमारियों के इलाज के अलावा जीवाणुओं और कीटाणुओं से लड़ने में किया जाता है. अब कोलकाता स्थित चितरंजन नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट (सीएनसीआई) के वैज्ञानिकों ने नीम को कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी के खिलाफ लड़ने का एक असरदार हथियार बनाने का प्रयास किया हैं. चूहों पर इसके सफल परीक्षण के बाद अब जल्दी ही मनुष्यों पर भी इसका परीक्षण किया जाएगा.

नीम में है नीम लीफ ग्लाइकोप्रोटीन

कोलकाता स्थित संस्थान के वैज्ञानिकों की एक टीम ने लंबे अरसे तक चले परीक्षण के बाद छपे अपने दो पर्चो में बताया है कि नीम की पत्तियों से निकलने वाले एक खास किस्म के संशोधित प्रोटीन नीम लीफ ग्लाइकोप्रोटीन यानी (एनएलजीपी) के जरिए चूहों में ट्यूमर कोशिकाओं की वृद्धि रोकने में कामयाबी मिली है. यह प्रोटीन कैंसर से सीधे लड़ने की बजाय ट्यूमर से निकलने वाले जहरीले व घातक रसायनों के खिलाफ शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत कर देता है. प्रतिरोधक कोशिकाओं कैंसर जैसी घातक बीमारियों से शरीर की रक्षा करती है. इस शोध टीम ने अध्ययन में पाया कि एनएलजीपी में ट्यूमर कोशिकाओं और ट्यूमर के विकास में सहायक गैर परिवर्तित कोशिकाओं से जुड़ी ट्यूमर की सूक्ष्म पारिस्थितिकी को सामान्य करने की शक्ति मौजूद है. मूल रूप से एनएलजीपी ट्यूमर की सूक्ष्म पारिस्थितिकी में ऐसे बदलाव लाता है, जिससे उसका विकास रुक जाता है. वह कहते है कि कैंसर कोशिकाएं धीरे-धीरे विकसित होने पर प्रतिरोधक कोशिकाओं पर नियंत्रण कर लेती हैं. ऐसे में रोग से बचाने की जगह यह कोशिकाएं उल्टे कैंसर को फैलने में सहायता देने लगती हैं.

सुरक्षित साबित हुआ नीम का इलाज

शोध रिपोर्ट में इन वैज्ञानिकों ने सर्वाइकल कैंसर से पीड़ित 17 मरीजों की कैंसर कोशिकाओं पर किए प्रयोग के नतीजे का भी खुलासा किया है. इस अध्ययन से उन्हें नीम की पत्तियों की सहायता से कैंसर के विकास पर अंकुश लगाने के तरीके का पता लगाया है. इससे पहले के कुछ वैज्ञानिक अध्ययनों में कहा गया था कि नीम प्रजनन तंत्र पर प्रतिकूल असर डाल सकता है. लेकिन हमने अपने शोध के जरिए इस संभावना को खारिज कर दिया है. इस शोध से अब तक के नतीजे काफी उत्साहजनक रहे हैं. जानवरों पर किए गए परीक्षणों में यह यौगिक बेहद सुरक्षित साबित हुआ है. कोई 13 साल पहले जब इस टीम ने नीम की पत्तियों के कैंसर रोधक गुणों का पता लगाने की दिशा में पहल की थी तो सबसे पहले कुछ प्रयोग किए गए. प्रयोगशाला में तैयार की गई कैंसर कोशिकाओं के अध्ययन पर उनके विचारों को बल मिला. इस पर टीम के सदस्यों ने बर्दवान विश्वविद्यालय के केमेस्ट्री के प्रोफेसर के साथ मिल कर ग्लाइकोप्रोटीन की पहचान की. उनकी टीम अब इस प्रोटीन की और बारीकी से जांच करके पता लगाएगी कि इसका कौन सा तत्व सही मायने में सक्रिय है. इसकी वजह यह है कि इस प्रोटीन में तीन हिस्से हैं. टीम की कोशिश यह पता लगाने की है कि यह प्रोटीन रेजिस्टेंट कैंसर के मामलों में भी प्रभावशाली होगा या नहीं. वह कहते हैं, एक खास चरण के बाद कैंसर वाले ट्यूमर लाइलाज हो जाते हैं. उन पर रेडियोथेरेपी या कीमोथेरेपी का भी कोई असर नहीं होता. उम्मीद है कि नीम लीफ ग्लाइकोप्रोटीन ऐसे मामलों में कैंसर के इलाज को प्रभावशाली बना सकेगा. प्रतिरोधक कोशिकाओं में कैंसर को मारने वाली कोशिकाओं का एक समूह होता है जिसे सीडी-8 प्लस टी कोशिकाएं कहते हैं. ट्यूमर कोशिकाओं की वृद्धि के साथ ही एनएलजीपी की वजह से टी कोशिकाओं की तादाद भी बढ़ जाती है. इससे कैंसर को विकसित होने से रोकने में सहायता मिलती है. यही प्रोटीन टी कोशिकाओं को निष्क्रिय होने से भी बचाता है. परीक्षण की इस प्रक्रिया को ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया समेत विभिन्न नियामक संस्थाओं के सामने पेश किया जाएगा. वहां से अनुमोदन मिलने के बाद मनुष्यों पर इसका परीक्षण शुरू किया जाएगा. वैज्ञनिकों के ताजा शोध के नतीजों से इस जानलेवा बीमारी से पीड़ित लोगों में उम्मीद की एक नई किरण पैदा हुई है.

बहुत सारी बातें हैं, बताउंगा

नगमा मिराजकर

संग ब्रेकअप की अफवाहों के बीच वायरल हुआ आवेज दरबार का वीडियो

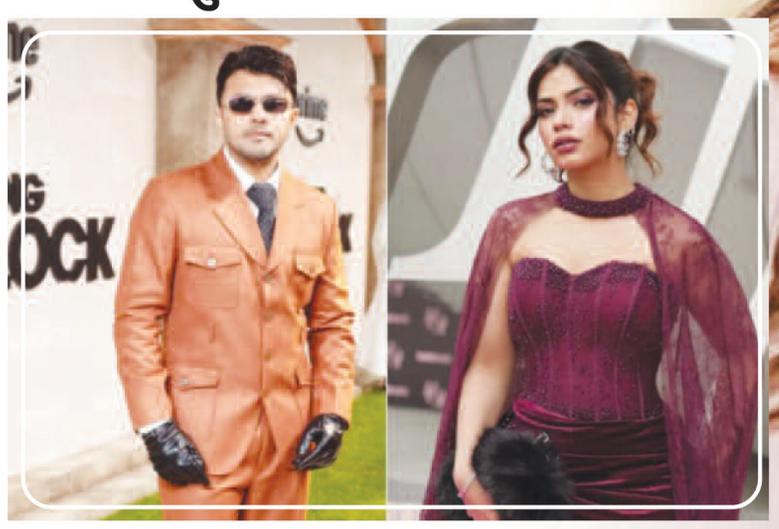

सोशल मीडिया पर आवेज दरबार और नगमा मिराजकर के ब्रेकअप की चर्चा हो रही है। दरअसल, आवेज दरबार ने हाल ही में अपना जन्मदिन मनायाथा। उनकी बर्थ डे पार्टी की तस्वीरों और वीडियो से नगमा गायब रहीं। इसके बाद से ही सोशल मीडिया पर दोनों के ब्रेकअप की चर्चा होने लगी। ब्रेकअप की इन अफवाहों के बीच आवेज दरबार का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में आवेज दरबार से शादी के बारे में सवाल होता है। वो इस सवाल को प्यार से टालते नजर आ रहे हैं।

आवेज दरबार से शादी के बारे में हुआ सवाल

टेली मसाला से खास बातचीत में आवेज से पूछा जाता है कि उनकी शादी का क्या प्लान है और वो कब शादी करने की सोच रहे हैं? इसपर आवेज कहते हैं, ऊपर वाले की दुआ होगी तो कल के कल हो जाएगा...जब तक वो नहीं चाहेगा तब तक नहीं होगा।

नगमा के बारे में हुआ सवाल तो क्या बोले आवेज दरबार ?

इसके बाद आवेज से पूछा गया कि नगमा ने उन्हें बर्थ डे पर क्या गिफ्ट किया था? इसपर आवेज कहते हैं- इसके बारे में हम लोग अच्छे से बैठकर प्यार से बात करेंगे, क्योंकि बहुत सारी बातें हैं, बताउंगा आपको।

नगमा या आवेज की तरफ से नहीं आया ब्रेकअप पर कन्फर्मेशन

आवेज दरबार और नगमा मिराजकर की तरफ से अभी ब्रेकअप को लेकर कोई आधिकारिक कन्फर्मेशन नहीं आया है। आवेज और नगमा दोनों साथ में बिग बॉस 19 में पहुंचे थे। आवेज और नगमा लंबे वक्त से साथ हैं। बिग बॉस में अमाल मिलक ने आवेज दरबार पर आरोप लगाया था कि नगमा मिराजकर के साथ रिश्ते में होने के बाद भी आवेज दूसरी लड़कियों को मैसेज करते थे।

आवेज दरबार और नगमा दोनों की सोशल मीडिया के फेमस कंटेंट क्रिएटर्स हैं। दोनों अक्सर इंस्टाग्राम पर रील्स और तस्वीरें शेयर करते थे। बिग बॉस से बाहर आने के बाद नगमा और आवेज दुबई घूमने के लिए गए थे।

धुरंधर 2 नहीं, ये है सलमान खान की मातृभूमि की रिलीज टलने की असली वजह, अब कब आएगी फिल्म?

बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री के बड़े सुपरस्टार सलमान खान वैसे तो ईद पर अपनी फिल्में रिलीज करने के लिए जाने जाते हैं लेकिन सुपरस्टार पिछले कुछ समय से अपने इस रिवाज से दूरी बनाते नजर आ रहे हैं. कई मौकों पर ऐसा देखा गया है कि भाईजान ने अपनी फिल्मों को ईद के मौके पर रिलीज किया है और उन फिल्मों ने काफी अच्छी कमाई भी की है. लेकिन ऐसा फिलहाल साल 2026 में होता नजर नहीं आ रहा है. हां अगर उनकी अपकमिंग फिल्म मातृभूमि पर कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट होती है तो वो बात अलग होगी.

हालांकि मातृभूमि फिल्म पर फिलहाल कुछ बड़े अपडेट्स आए हैं जो इस फिल्म के भविष्य को लेकर हिंट देते नजर आ रहे हैं. पहले ये फिल्म अप्रैल में रिलीज की राह देख रही थी. लेकिन कुछ समय से ऐसा सुनने में आ रहा है कि फिल्म की रिलीज को आगे के लिए टाला जा सकता है. कई फिल्मों ने रणवीर सिंह की धुरंधर 2 की वजह से अपनी रिलीज में बदलाव किए हैं. इस दौरान सलमान खान की मातृभूमि को लेकर भी ऐसी खबरें हैं. लेकिन इस फिल्म की वजह धुरंधर 2 तो नहीं है. आइए जानते हैं कि वो कौन सी बड़ी वजह है जिसके कारण सलमान खान की मातृभूमि की रिलीज आगे के लिए खिसक सकती है.

एक्टर प्रशांत तमांग का निधन बना बड़ी वजह

रिपोर्ट्स की मानें तो इंडियन आइडल 3 के विनर प्रशांत तमांग को मातृभूमि फिल्म में अहम रोल मिला था और वे फिल्म के अपने हिस्से की अधिकांश शूटिंग पूरी भी कर चुके थे. लेकिन इसके बाद जनवरी में उनके दुर्भाग्यपूर्ण निधन की वजह से सबकुछ ठहर गया. वहीं अभी भी फिल्म से जुड़े कुछ अहम सीन्स की शूटिंग होनी बाकी थी. इसमें से कुछ सीन्स तो प्रॉपर एक्शन सीक्वेंसेस हैं जिनकी शूटिंग होनी बची थी. अब उनके निधन के बाद मेकर्स अन्य विकल्पों को तलाश रहे हैं. मेकर्स के पास अब इसे लेकर दो बड़े विकल्प बचे हैं. पहला ये कि उनके बचे हुए सीन्स की शूटिंग के लिए किसी को रीकास्ट किया जाए. या फिर ए आई और वीएफएक्स की मदद से बचे हुए सीन्स में उनकी प्रजेंस को पूरा किया जाए. ऐसे में मेकर्स फिलहाल फाइनल डिसीजन लेने को लेकर दुविधा में हैं.

कालीन भैया-गड्डू पंडित की 'मिर्जापुर फिल्म' में इस एक्ट्रेस की एंट्री, ऐसे मचाएंगी धमाल

जिन वेब सीरीज ने फैन्स का दिल जीता और उनके अगले पार्ट्स का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है, उस लिस्ट में 'मिर्जापुर' भी शामिल है. फिल्म की अलग दुनिया लोगों को इतनी पसंद आई कि गुड्डू पंडित, कालीन भैया, मुन्ना भैया समेत सभी किरदार हर तरफ छा गए. पहली सीरीज के बाद सीजन 2 भी सबको पसंद आया. लेकिन जैसी उम्मीद तीसरे सीजन से थी. वो लोगों को उतना इम्प्रेस नहीं कर सका. अब 'मिर्जापुर द मूवी' बन रही है, जो इसी साल रिलीज होने वाली है. कुछ वक्त पहले ही नए पोस्टर के साथ रिलीज डेट आई है. 4 सितंबर को आ रही फिल्म पर एक बड़ा अपडेट आ गया है, जानिए यह एक्ट्रेस क्या करने वाली हैं.

जी हां, Mirzapur The Movie का काम काफी वक्त पहले ही खत्म हो चुका है. हालांकि, अब एक रिपोर्ट से पता लगा कि फिल्म में एक डांस नंबर होने वाला है.

यह एकदम महबूबा-महबूबा वाले ट्रैक पर ही होगा. जिसकी इंस्पिरेशन फिल्म 'शोले' के गाने से ली गई है. हालांकि, उस सॉन्ग में अमजद खान और हेलेन थे. पर इस बार पंकज त्रिपाठी (कालीन भैया), अली फजल, दिव्येंदु, जितेंद्र कुमार, अभिषेक बनर्जी और रवि किशन भी दिखने वाले हैं. पर फिल्म में कौन आ गया है?

'मिर्जापुर: द मूवी' में किसकी एंट्री ?

हाल ही में एक न्यूज वेबसाइट पर रिपोर्ट छपी. जिससे पता लगा कि सोनल चौहान ने रेगिस्तान के बैकड्रॉप पर एक आइटम सॉन्ग परफॉर्म किया है. कालीन भैया और दूसरे किरदार एक गांव के बार में होते हैं, जहां सोनल डांस कर रही हैं. आखिर में वो सब इस जश्न में शामिल हो जाते हैं. जोधपुर के रेगिस्तान में टेंट लगाए गए थे, जहां तीन रातों तक इस गाने की शूटिंग चली. यह भी कहा जा रहा है कि पिछले महीने जोधपुर में इस गाने की शूटिंग हुई थी. प्रोड्यूसर फरहान अख्तर और रितेश सिधवानी को पूरा यकीन था कि ऐसे गाने से सीक्वेंस मजेदार होगा. तो इसे फिल्म में जोड़ा गया है.

दरअसल इस फिल्म से लोग इसलिए खुश हैं क्योंकि सारे पुराने किरदार वापस लौट गए हैं. उनके मुन्ना भैया भी, जो सीजन 3 में नहीं थे. उनके एग्जिट से फैन्स भी नाराज हो गए थे. हालांकि, 'मिर्ज़ापुर: द मूवी' का साउंडट्रैक खंडाल और जुनैद कुमार ने तैयार किया है. वहीं, विजय गांगुली ने डांस नंबर को कोरियोग्राफ किया है. पता लगा कि इस आइटम नंबर को शूट करने में पंकज त्रिपाठी को भी काफी मजा आया है.

रश्मिका मंदाना

विजय से रूठी नन्हीं फैन, मनाने के लिए कपल ने बेले पापड़, शादी में न बुलाने की वजह से हुई थी नाराज

साउथ सुपरस्टार रश्मिका मंदाना इन दिनों अपनी न्यूली मैरिड लाइफ को एंजॉय कर रही हैं। रश्मिका ने बीते महीने 26 फरवरी 2026 को उदयपुर में एक्टर विजय देवरकोंडा संग शादी की है। दोनों की शादी काफी सुर्खियों में रही। इस शादी की कई तस्वीरें और वीडियो इंटरनेट पर खूब वायरल हुए। ऐसे में अब विजय और रश्मिका अपनी एक नन्हीं फैन को लेकर सुर्खियों में आए हैं। एक तरफ जहां उनके फैंस कपल की तस्वीरें और वीडियोज पर जमकर प्यार लुटा रहे हैं। वहीं, एक छोटी फैन उनसे रुठ गई थी। हालांकि, अब कपल ने अपनी रूठी हुई नन्हीं फैन को मना लिया। इसके लिए रश्मिका और विजय ने जो किया, उसे जानकर आप भी खुश हो जाएंगे।

फैन ने की शिकायत

दरअसल, रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा की इस छोटी सी फैन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में वो अपने चहेते स्टार्स के साथ मस्ती और कीमती वक्त बताती नजर आ रही है। फैन ने वीडियो में अपने उस दिन की पूरी जानकारी साझा की। वीडियो में वो ये भी शिकायत करती है कि उन्होंने सभी को लड्डू खिलाया खाना खिलाया, लेकिन उसे नहीं बुलाया गया। ऐसे में रश्मिका ने उसे लड्डू और विजय उसे चावल परोसते नजर आ रहे हैं। वहीं, दोनों इस बच्ची पर जमकर प्यार लुटाते दिखे। फैंस इस वीडियो की क्यूटनेस से मंत्रमुग्ध हैं, और कई लोग इस बात से खुश हैं कि आखिरकार वे उस फैन से मिल ही लिए।

रील से रियल तक...

इस वीडियो के साथ कैप्शन में लिखा है, रील से रियल तक। विजय देवरकोंडा से उनके घर पर मिलना मेरे और मेरे परिवार के लिए सचमुच एक अद्भुत और अविस्मरणीय पल था। हमारे पहुंचते ही, उन्होंने इतनी गर्मजोशी और प्यार के साथ हमारा स्वागत किया कि हमें बिल्कुल अपने घर जैसा महसूस हुआ। रश्मिका मंदाना से मिलना भी एक बहुत ही सुखद अनुभव था; उनकी हंसमुख मुस्कान और मिलनसार स्वभाव ने इस मुलाकात की खुशी को और भी बढ़ा दिया।% बता दें कि उस फैन ने यह भी बताया कि उसका परिवार भी उसके साथ इस मुलाकात में शामिल हुआ, जहां उन सभी को बिल्कुल अपने घर जैसा ही महसूस कराया गया। फैंस इस वीडियो को काफी पसंद कर रहे हैं। साथ ही इस पर कमेंट कर बच्ची की क्यूटनेस और स्टार्स के बिहेवियर की तारीफ कर रहे हैं।

वीएफजे में कर्मचारी की आत्महत्या से हड़कंप, यूनियनों ने निष्पक्ष जांच की मांग उठाई

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

व्हीकल फैक्ट्री जबलपुर (वीएफजे) में एक कर्मचारी द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या किए जाने के मामले ने तूल पकड़ लिया है। घटना के बाद कर्मचारियों में आक्रोश का माहौल है, वहीं विभिन्न यूनियनों ने निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर आंदोलन की चेतावनी दी है। जानकारी के अनुसार रविवार शाम करीब 5 से 6 बजे के बीच वीएफजे में कार्यरत कंचनपुर निवासी कर्मचारी सैमसन मार्टिन (57) ने अपने कार्यालय में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद मौके पर हड़कंप मच गया। पुलिस ने मौके से सुसाइड नोट बरामद कर जांच शुरू कर दी है।

यूनियनों ने उठाए सवाल

ऑल इंडिया डिफेंस एम्प्लॉइज फेडरेशन से जुड़ी जबलपुर की विभिन्न यूनियनों ने मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। यूनियनों का आरोप है कि निगमीकरण के बाद कर्मचारियों पर अनावश्यक दबाव बढ़ा है, जिससे मानसिक तनाव की स्थिति बन रही है।

8 रुपये की गलती से बढ़ा तनाव

मृतक की पत्नी ने बताया कि उनके पति मूल रूप से फिटर थे, लेकिन उन्हें जबरन बिल बनाने का काम सौंप दिया गया था, जो उन्हें ठीक से नहीं आता था। एक बिल में 8 रुपये का अंतर आने के कारण उनके वरिष्ठ अधिकारी फाइल पर हस्ताक्षर नहीं कर रहे थे। बताया गया कि वे बार-बार अधिकारियों से यह काम न देने की गुहार लगाते रहे, लेकिन इसके बावजूद उनसे वही काम कराया जाता रहा, जिससे वे लगातार तनाव में रहने लगे थे।

सुसाइड नोट में तनाव और काम का दबाव बताया कारण

मृतक द्वारा छोड़े गए सुसाइड नोट में अत्यधिक कार्यभार और मानसिक तनाव को आत्महत्या का कारण बताया गया है। इस घटना के बाद फैक्ट्री के कर्मचारियों में रोष देखा जा रहा है।

थाने के घेराव की चेतावनी

यूनियनों ने मामले को लेकर आज शाम रांझी थाने का घेराव करने की चेतावनी दी है। उनका कहना है कि यदि मामले की निष्पक्ष जांच नहीं हुई तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है और सुसाइड नोट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

पुरानी रंजिश में बेंडर पर जानलेवा हमला, इंद्रा मार्केट में लोहे के पल्टे से सिर फोड़ा, आरोपी फरार

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में पुरानी रंजिश के चलते दिनदहाड़े एक बेंडर का काम करने वाले युवक पर जानलेवा हमला किए जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोपी ने लोहे के पल्टे से युवक के सिर पर वार कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया और जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गया। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सिविल लाइंस क्षेत्र निवासी अखिलेश शुक्ला बेंडर का काम करता है। बीती रात करीब 8 बजे आरोपी राजेश मेहरा उसके घर पहुंचा और गाली-गलौज करने लगा। इस दौरान दोनों के बीच तीखी बहस और कहासुनी हुई, जिसे आसपास के लोगों ने किसी तरह शांत कराया। लेकिन विवाद यहीं खत्म नहीं हुआ। अगले दिन दोपहर करीब साढ़े 12 बजे इंद्रा मार्केट में दोनों आमने-सामने आ गए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक आरोपी राजेश मेहरा पहले से ही आक्रोशित था। उसने अखिलेश को देखते ही गाली-गलौज शुरू कर दी और देखते ही देखते लोहे के पल्टे से उसके माथे पर जोरदार वार कर दिया। अचानक हुए हमले से अखिलेश लहूलुहान होकर गिर पड़ा। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास के लोगों ने घायल को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों के अनुसार युवक के सिर में गंभीर चोट आई है, हालांकि उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। हमले के बाद आरोपी राजेश मेहरा ने पीड़ित को जान से मारने की धमकी दी और मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही सिविल लाइंस थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश तेज कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि प्रारंभिक जांच में मामला पुरानी रंजिश से जुड़ा सामने आया है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। दिनदहाड़े हुई इस घटना ने शहर की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों ने पुलिस से क्षेत्र में गश्त बढ़ाने और ऐसे मामलों पर सख्ती से कार्रवाई की मांग की है।

कटनी-शहडोल रेत खदान टेंडर रद्द करने पर हाईकोर्ट की मुहर, कंपनियों की याचिकाएं खारिज

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने कटनी और शहडोल जिलों की रेत खदानों के टेंडर निरस्त करने के राज्य सरकार के फैसले को सही ठहराते हुए बड़ा फैसला दिया है। मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा और न्यायाधीश विनय सराफ की संयुक्तपीठ ने कहा कि सरकारी राजस्व को नुकसान से बचाने के लिए लिया गया निर्णय न्यायोचित है और इसमें न्यायिक हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं है। कोर्ट ने इस मामले में दो कंपनियों–मुंबई की सहकार ग्लोबल लिमिटेड और होशंगाबाद की धनलक्ष्मी मर्चेंडाइज–द्वारा दायर याचिकाओं को खारिज कर दिया।

टेंडर प्रक्रिया में गड़बड़ी का मामला

मामला रेत खदानों के टेंडर से जुड़ा है, जिसमें दोनों कंपनियों ने पहले ऊंची बोली लगाकर ठेका हासिल किया था, लेकिन बाद में ठेका सरेंडर कर दिया। इसके बाद दोबारा जारी टेंडर में इन्हीं कंपनियों ने कम बोली लगाई। राज्य सरकार ने इसे टेंडर प्रक्रिया में हेरफेर मानते हुए टेंडर रद्द कर दिए थे। सरकार का तर्क था कि इस तरह की प्रक्रिया से राजस्व को भारी नुकसान हो सकता था।

करोड़ों के नुकसान की आशंका

सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से बताया गया कि एक मामले में करीब 10 करोड़ रुपये और दूसरे में 20 करोड़ रुपये से अधिक के नुकसान की संभावना थी। इसी आधार पर 19 नवंबर 2025 को स्टेट माइनिंग कॉरपोरेशन के बोर्ड ने टेंडर प्रक्रिया रद्द करने का निर्णय लिया।

हाईकोर्ट की सख्त टिप्पणी

संयुक्तपीठ ने अपने आदेश में कहा कि कंपनियों द्वारा कम बोली लगाकर ह्लखेलह्व करने की कोशिश की गई, जिससे सरकार को बड़ा आर्थिक नुकसान हो सकता था। ऐसे में सरकार का निर्णय पूरी तरह वैध और उचित है।

भविष्य के टेंडर में भाग लेने की छूट

हालांकि कोर्ट ने कंपनियों को आंशिक राहत देते हुए कहा कि वे भविष्य में जारी होने वाले नए टेंडरों में भाग ले सकती हैं और यह फैसला उनके लिए बाधा नहीं बनेगा। इस फैसले को राज्य सरकार के लिए बड़ी राहत माना जा रहा है, वहीं टेंडर प्रक्रिया में पारदर्शिता को लेकर भी इसे अहम माना जा रहा है।

जबलपुर रेलवे स्टेशन पर महंगे दाम पर बिक रहा रेल नीर, यात्रियों से बदसलूकी की शिकायत

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

मुख्य रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-6 पर रेल नीर की बोतल निर्धारित मूल्य से अधिक दाम पर बेचे जाने की शिकायतें सामने आ रही हैं। यात्रियों का आरोप है कि जहां एक ओर रेलवे प्रशासन ने कीमत घटाकर 15 रुपये से 14 रुपये प्रति बोतल तय की है, वहीं स्टॉल संचालक अब भी 15 रुपये में ही पानी बेच रहे हैं। वाणिज्य विभाग द्वारा स्पष्ट निर्देश दिए जाने के बावजूद प्लेटफॉर्म नंबर-6 पर नियमों की अनदेखी हो रही है। यात्रियों का कहना है कि उनसे तय कीमत से अधिक पैसे वसूले जा रहे हैं, जिससे उन्हें अनावश्यक आर्थिक बोझ उठाना पड़ रहा है। यात्रियों ने यह भी आरोप लगाए हैं कि स्टॉल पर काम करने वाले कुछ कर्मचारी शराब के नशे में ड्यूटी करते हैं और यात्रियों से अभद्र व्यवहार करते हैं। इससे स्टेशन की छवि भी खराब हो रही है। मामले को लेकर यात्रियों ने रेलवे प्रशासन से जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की शिकायतें न हों और यात्रियों को निर्धारित दर पर सुविधाएं मिल सकें।

सूने मकान को बनाया निशाना: तिलवारा में 5 लाख के जेवर चोरी, सीसीटीवी में कैद हुए चोर

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

तिलवारा थाना क्षेत्र के अरनव विहार कॉलोनी में चोरों ने सूने मकान को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये के जेवरात पर हाथ साफ कर दिया। दरम्यानी रात अज्ञात बदमाशों ने घर का ताला तोड़कर अलमारी के लॉकर में रखे करीब 4 से 5 लाख रुपये के सोने-चांदी के जेवर चोरी कर लिए। घटना के समय परिवार शहर से बाहर था। पुलिस के अनुसार प्लॉट नंबर-40 में

रहने वाले राहुल मिश्रा 20 मार्च को दोपहर करीब 2 बजे घर में ताला लगाकर परिवार सहित ऑफिस के काम से सिंगरौली गए थे। इसी दौरान रात में चोरों ने मौके का फायदा उठाकर वारदात को अंजाम दिया। घटना का खुलासा उस समय हुआ जब सुबह करीब 4 बजे राहुल के मोबाइल पर घर में लगे सुरक्षा सिस्टम से चोरी का अलर्ट मैसेज आया। इसके बाद उन्होंने अपने बड़े भाई सौरभ मिश्रा को सूचना दी। सौरभ मौके पर पहुंचे तो देखा कि घर के मुख्य गेट का ताला टूटा हुआ था और अंदर सामान बिखरा पड़ा था। अलमारी का लॉक तोड़कर उसमें रखे सोने-चांदी के जेवर गायब थे। सीसीटीवी फुटेज में सुबह करीब 4 बजे कुछ संदिग्ध लोगों को घर में घुसते हुए देखा गया है, जिससे पुलिस को जांच में अहम सुराग मिले हैं। चोरी गए जेवरों की कीमत करीब 4 से 5 लाख रुपये बताई जा रही है। तिलवारा पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान करने में जुटी है। लगातार बढ़ती चोरी की घटनाओं से इलाके के रहवासियों में दहशत का माहौल है।

श्री शुभम् हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेंटर
मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल
24 घंटे आकस्मिक चिकित्सा, सभी विभागों में भर्ती, एम्बुलेंस तथा दवाईयां, पैथोलॉजी तथा एक्सरे
मेडिसिन एवं हृदय रोग, जनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जरी, आस्थि रोग, नाक-कान-गला, स्त्री एवं प्रसूति रोग, बाल रोग, न्यूरो तथा स्पाइन, कैंसर, मूत्र रोग विभाग
●पॉईजनिंग ●बर्न यूनिट ●हॉर्ट अटैक ●एक्सीडेंट एवं ट्रॉमा यूनिट
मध्यप्रदेश भवन एवं अन्य सनिर्माण कर्मकार मण्डल के हितग्राहियों हेतु नि:शुल्क उपचार की सुविधा उपलब्ध
5 May श्री शुभम् हॉस्पिटल
मदन महल चौक, दशमेश द्वार के पास, नागपुर रोड, जबलपुर
फोन : 0761-4051253, 9329486447

मकान विवाद ने लिया हिंसक रूप: एक ही परिवार के दो पक्षों में डंडे चले, आधा दर्जन घायल; काउंटर केस दर्ज

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

गढ़ा थाना क्षेत्र के इंद्रा बस्ती गुरहा तालाब इलाके में मकान को लेकर चल रहा पारिवारिक विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। एक ही परिवार के दो पक्षों के बीच हुई इस मारपीट में डंडे चले और आधा दर्जन लोग घायल हो गए। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर एक-दूसरे के खिलाफ काउंटर केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार इंद्रा बस्ती निवासी राजेंद्र विश्वकर्मा, जो पेशे से ड्राइवरी का काम करता है, की पत्नी प्रेमलता सुबह करीब 7 बजे घर के बाहर बर्तन धो रही थी। इसी दौरान उनकी बहू कविता विश्वकर्मा वहां पहुंची और किसी बात को लेकर सास से गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। शोर सुनकर राजेंद्र बीच-बचाव के लिए पहुंचे, तभी उनका बेटा तारकेश्वर डंडा लेकर आ गया और अपने ही पिता पर हमला कर दिया। इस दौरान राजेंद्र और उनकी पत्नी को हाथ-पैर में चोटें आईं। घटना के दौरान

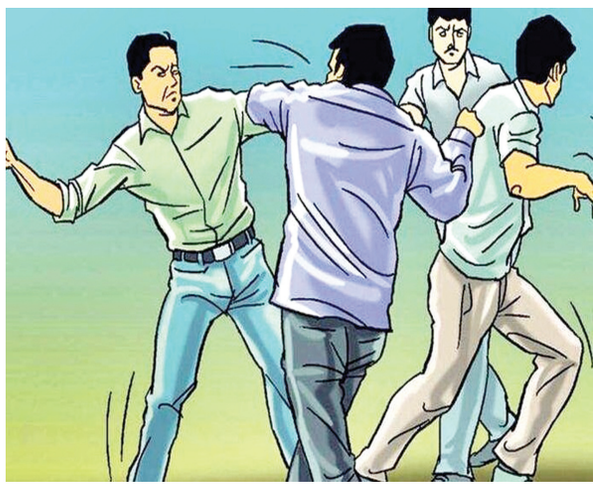

परिवार की अन्य सदस्य खुशबू भी बीच-बचाव करने आई, लेकिन आरोप है कि उसे धक्का देकर गिरा दिया गया। विवाद के बाद तारकेश्वर और उसकी पत्नी ने जान से मारने की धमकी भी दी। वहीं दूसरे पक्ष की ओर से तारकेश्वर विश्वकर्मा ने भी पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए आरोप लगाया कि वह नजूल की जमीन पर बने मकान में रहता है, जिसका टैक्स उसकी पत्नी के नाम से जमा होता है। उसके पिता राजेंद्र और भाई जुगलकिशोर अक्सर मकान खाली कराने को लेकर विवाद करते रहते हैं। घटना वाले दिन सुबह उसके पिता और छोटे भाई ने उसकी पत्नी से विवाद किया और फिर दोनों ने मिलकर उससे और उसकी पत्नी से मारपीट की। आरोप है कि छोटे भाई ने डंडे से हमला कर उनके पैर और कमर में चोट पहुंचाई। गढ़ा पुलिस का कहना है कि दोनों पक्षों की शिकायत पर काउंटर केस दर्ज कर लिया गया है और पूरे मामले की जांच की जा रही है। पारिवारिक विवाद के चलते हुई इस घटना ने क्षेत्र में तनाव का माहौल पैदा कर दिया है।

तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से युवक की मौत, बाइक सवार दो घायल; बरगी पुलिस जांच में जुटी

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

बरगी थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार अज्ञात वाहन की टक्कर से एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा युवक घायल हो गया। हादसा समद पिपरिया गांव के पास दोपहर करीब साढ़े 12 बजे हुआ, जब बाइक सवार दो युवक काम के सिलसिले में जा रहे थे। पुलिस के अनुसार ग्राम खिरहनी निवासी मिथुन बर्मन अपने साथी दिनेश बर्मन के साथ मोटरसाइकिल से बिलहरी की ओर जा रहा था। इसी दौरान समद पिपरिया के पास एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही परिजन और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और घायलों को तुरंत इलाज के लिए मेडिकल अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में इलाज के दौरान मिथुन बर्मन ने दम तोड़ दिया, जबकि दूसरे युवक का उपचार जारी है। बरगी पुलिस ने मृतक के शव का पंचनामा कर

पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश में जुटी है और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। इस हादसे के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है। स्थानीय लोगों ने तेज रफ्तार वाहनों पर लगाम लगाने और सड़क सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है।

सुधा मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल एण्ड हाई रिस्क प्रेगनेन्सी सेन्टर
डॉ. सुधा चौबे एम.एस. (स्त्री रोग विशेषज्ञ)
डॉ. मयंक चौबे फैमिली फिजीशियन
24 घण्टे भर्ती की सुविधा उपलब्ध
सुविधा: सुसज्जित गायनिक विभाग (हाई रिस्क प्रेगनेन्सी) मेडिसिन विभाग प्लास्टिक सर्जरी न्यूरो सर्जरी विभाग जनरल सर्जरी विभाग यूरोलॉजी विभाग पाईजन यूनिट आर्थो विभाग एवं ट्रामा यूनिट, नाक, कान, गला (ई.एन.टी) एक्स-रे, खून, पेशाब की जांच (पैथोलॉजी) सोनोग्राफी डी- फिब्रीलेटर, वेन्टीलेटर- आई.सी.यू. की सुविधा एम्बुलेन्स सुविधा 24 घण्टे उपलब्ध है
837, गोल बाजार, जबलपुर, 9111014804
All Cashless Cards Accepted फोन- 07613130822

प्रदेश का अग्रणी संस्थान SINCE 1996
ACST Tally PYTHON JAVA C, C++ CPCT
चौपाटी के पास, सिविक सेंटर, जबलपुर मो: 4007077, 9993030707
नए बैच प्रारम्भ 40% छूट

JICS
माखनलाल चतुर्वेदी रा.प.एवं संचार विश्वविद्यालय से संबद्ध
M.Sc PG DCA DCA B.Com BCA TALLY प्रवेश प्रारंभ
जबलपुर इंस्टीट्यूट ऑफ कम्प्यूटर साइंस
अधारताल भारत गैस के बाजू में मेन रोड जबलपुर
PH.:0761-4066631Mo.:9827200559, 9893322108

यश नर्सरी हा. से. स्कूल Estd. 2004
बोर्ड कक्षाओं में सर्वश्रेष्ठ परिणाम के लगातार 15 वर्ष
9वीं /11 वीं फेल/ पास विद्यार्थी सीधे 10वीं/12 वीं फार्म भरें
10th/12th में परसेन्ट बढ़ाने CBSC/ICSE से MP BOARD में एडमीशन पर स्पेशल डिस्काउंट
English & Hindi Medium
नोटः- हमारे प्रयास से श्रेष्ठ बच्चों के साथ-साथ कमजोर बच्चे भी बेहतर रिजल्ट लाकर दिखाते हैं, इसलिए हम देते हैं बोर्ड परीक्षाओं में शत् प्रतिशत 100% रिजल्ट
बस एंव हॉस्टल सुविधा उपलब्ध
गुलाब टावर के सामने, साक्षी बाइक प्लाइंट के बाजू में मानसरोवर कालोनी, अधारताल, जबलपुर
सम्पर्क:- 9303580611, 6263988587,7987974850, 0761-2680811 (समय- सुबहः 8 से शामः4 तक)

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक डॉ. राजेश जायसवाल के लिए, मां रेवा पब्लिकेशन जबलपुर 68/1 लक्ष्मीपुर विवेकानंद वार्ड मुस्कान प्लाजा के पीछे एम.आर.-4 रोड उखरी जबलपुर (म.प्र.) से मुद्रित और कल्चुरी भवन हाउस नं. 3367/1, विवेक नगर, आधारताल, जबलपुर (म.प्र.) से प्रकाशित।
संपादक : डॉ.राजेश जायसवाल* सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जबलपुर रहेगा *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के जिम्मेदार। आरएनआई नं. MPHIN/2014/60079 मो. 9425154229, फोन-0761-4085321 e-mail: tripuritimes@gmail.com